www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 344 || लखनऊ
शनिवार
21 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:08
सूर्यास्तः 06:19
अधिकतमः 26°00
न्यूनतमः 16°00

पेज 03

विशेष समाचार
- पड़ोसी देशों का भरोसा तोड़ता ईरान... >> पेज 02
- परिवार के 3 लोगों ने जहर खाया... >>पेज 04
- अल्लू अर्जुन ने 'धुरंधर 2' की तारीफ ...

25 जिलों में हुई बारिश

काशी-प्रयागराज में धूल भरी आंधी, यूपी में बिजली गिरने से 5 की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/प्रयागराज/वाराणसी/मथुरा। यूपी में शुक्रवार को मौसम अचानक बिगड़ गया। ललितपुर में दोपहर बाद जमकर ओले गिरे। खड़ी फसल पर सफेद चादर जैसी बिछ गई। इससे किसान काफी चिंता में दिखे। लखनऊ में सुबह 10 बजे अचानक अंधेरा छा गया। तेज हवा के साथ बारिश हुई। कुछ इलाकों में ओले भी गिरे। इससे पहले अयोध्या, बाराबंकी, सीतापुर और सिद्धार्थनगर में भी तेज बारिश के साथ ओले गिरे। झांसी में भी दोपहर बाद अंधेरा छा गया। यहां भी बारिश शुरु हो गई। प्रयागराज में धूल भरी आंधी के बाद मौसम बिगड़ गया। मथुरा में तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। स्कूली बच्चे और ऑफिस जा रहे

लोग रेनकोट और छातों के साथ नजर आए। कानपुर, नोएडा, आगरा, अलीगढ़, मेरठ समेत 25 से ज्यादा जिलों में रुक-रुक कर बारिश हुई। काशी में आंधी के साथ बूंदाबांदी हुई। घाटों पर दुकान लगाने वाले सामान समेटकर लौट गए। गोंडा में 1 बीघा तैयार पत्तागोभी के खेत में पानी भर गया। इस पर किसान ने कहा अगर बारिश होती रही तो फसल बर्बाद हो जाएगी। वहीं, प्रयागराज, बलरामपुर, बहराइच और मिर्जापुर में आकाशीय बिजली गिरने से 3 किसानों समेत 5 की मौत हो गई। कई जगह गेहूं की खड़ी फसलें गिर गईं। किसानों का कहना है कि बेमौसम बारिश से सरसों और आलू की फसल भी खराब हो सकती है। मौसम विभाग की मानें तो पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने की वजह से पूरे प्रदेश में मौसम बदल गया है। अगले 2 दिन मौसम ऐसे ही बिगड़ा रहेगा। 40 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया- पश्चिमी विक्षोभ की वजह से पूरे प्रदेश में बारिश की संभावना दिख रही है। 2 दिन बाद इसका असर कम होने लगेगा। पिछले 24 घंटे में मथुरा में सबसे तेज 87 किमी/घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।

ईरानी अफसर की मौत

कहा था- नेतन्याहू के लिए सरप्राइज तैयार, कुछ घंटे बाद एयरस्ट्राइक में मारे गए

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के प्रवक्ता जनरल अली मोहम्मद नैनी की शुक्रवार को हवाई हमले में मौत हो गई। IRGC ने एक बयान जारी कर उनकी मौत की पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नैनी को हालिया हमले में निशाना बनाया गया। नैनी ने अपने आखिरी बयान में कहा था कि इजराइल और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए 'सरप्राइज' तैयार है। उन्होंने दावा किया था कि ईरान की मिसाइल क्षमता अपने चरम पर है और दुश्मन को जल्द ही इसका असर देखने को मिलेगा। नैनी ने यह भी कहा था कि युद्ध के बावजूद ईरान लगातार मिसाइल उत्पादन कर रहा है और उसके पास पर्याप्त भंडार मौजूद है। लेकिन उनका यह बयान सामने आने के कुछ ही घंटों बाद IRGC ने पुष्टि की कि नैनी अमेरिकी-इजराइली हमले में मारे गए। ईरान ने इस हमले को 'कायराना' करार देते हुए कहा कि यह उसके शीर्ष सैन्य नेतृत्व को निशाना बनाने की साजिश का हिस्सा है। अमेरिका और इजराइल के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने बड़ी चेतावनी जारी की है। ईरान ने कहा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

जापानी पीएम के आगे ट्रम्प ने होर्मुज में वॉरशिप भेजने की मांग दोहराई

जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की उस मांग को नहीं माना, जिसमें उन्होंने सहयोगी देशों से होर्मुज में युद्धपोत भेजने को कहा था। पिछले हफ्ते ट्रम्प बार-बार यह मुद्दा उठाते रहे हैं कि नाटो देशों और ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और जापान जैसे सहयोगी देशों को समुद्री सुरक्षा में मदद करनी चाहिए। व्हाइट हाउस में गुरुवार को हुई बैठक में ट्रम्प ने यह मुद्दा ताकाइची के सामने भी रखा। जापानी न्यूज एजेंसी क्योदो के अनुसार, ताकाइची ने कानूनी सीमाओं का हवाला देते हुए विस्तार से बताया कि जापान क्या कर सकता है और क्या नहीं। जापान की मैरिटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स दुनिया की बड़ी नौसेनाओं में से एक है, लेकिन उसके काम करने की सीमा देश के शांतिवादी संविधान से तय होती है। रिपोर्ट के अनुसार, ताकाइची ने अन्य तरीकों से सहयोग का संकेत दिया। वहीं ट्रम्प ने कहा कि जापान अपनी जिम्मेदारियां निभा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला तड़के किया गया और एक अंडरग्राउंड समूह ने इसकी जिम्मेदारी ली है। खुद को 'अर्थक्वेक फैक्शन' बताने वाले इस समूह ने कहा कि यह साइट यूरोप में इजराइल के सबसे बड़े हथियार निर्माता के ऑपरेशन का अहम हिस्सा थी।

ब्रिटेन के न्यूक्लियर सबमरीन बेस में घुसने की कोशिश, 2 गिरफ्तार

ब्रिटेन के स्कॉटलैंड में न्यूक्लियर सबमरीन बेस में घुसने की कोशिश के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार किए गए लोगों में 34 साल का एक पुरुष और 31 साल की एक महिला शामिल हैं। हालांकि, उनकी वे किस देश के हैं, इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। यह बेस स्कॉटलैंड के पश्चिमी तट पर स्थित है और यहां ब्रिटेन के परमाणु हथियारों से लैस सबमरीन तैनात हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों संदिग्धों को उस समय पकड़ा गया, जब वे बेस में दाखिल होने की कोशिश कर रहे थे। फिलहाल इस मामले में जांच जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि दोनों किस मकसद से इस संवेदनशील सैन्य ठिकाने में घुसना चाहते थे। अधिकारियों ने कहा है कि सुरक्षा एजेंसियां पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं।

तबरीज अटैक में बसीज फोर्स के 13 मेंबर मारे गए

तबरीज में गुरुवार शाम एक चेकपोस्ट पर हुए हमले में बसीज के 13 सदस्य मारे गए और 18 लोग घायल हो गए। यह जानकारी पूर्वी अजरबैजान प्रांत में रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने दी। अधिकारियों के मुताबिक, यह हमला शहर के करामालेक इलाके में हुआ। उन्होंने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है।

एअर इंडिया ने गलत मॉडल का प्लेन भेजा, वापस लाना पड़ा

300+ पैसेंजर लेकर कनाडा के लिए उड़ा था, 7 घंटे बाद चीन के एयरस्पेस से लौटा

चूक

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय एयरलाइंस कंपनी एअर इंडिया की एक बार फिर बड़ी चूक सामने आई है, जिसके कारण दिल्ली से कनाडा के वैंकूवर जा रही फ्लाइट AI-185 को उड़ान भरने के करीब 7 घंटे बाद वापस दिल्ली लौटना पड़ा। दरअसल, एअर इंडिया ने गुरुवार को यात्रियों को बोइंग 777-300 ER की जगह बोइंग 777-200 LR फ्लाइट में भेज दिया था। गलती का पता तब चला जब विमान करीब 4 घंटे उड़ान भरकर चीन के कुनमिंग एयरस्पेस में पहुंच चुका था। इसके बाद तुरंत विमान ने

यू-टर्न लिया। फ्लाइट ने गुरुवार सुबह 11:34 बजे दिल्ली से उड़ान भरी थी और शाम 7:19 बजे वापस दिल्ली लैंड किया। विमान में दिल्ली से कनाडा जाने वाले 300 से ज्यादा यात्री मौजूद थे। घटना की जानकारी शुक्रवार को सामने आई है। एविएशन नियमों के तहत अलग-अलग देशों में विदेशी एयरलाइंस को अपने देश में संचालन की अनुमति देने के नियम अलग होते हैं। कुछ देश एयरलाइन के आधार पर अनुमति देते हैं, कुछ विमान (फ्लीट) के आधार पर, जबकि कुछ किसी खास विमान के लिए अलग मंजूरी देते हैं।

> सूत्रों के मुताबिक, इस गलती को गंभीरता से लिया गया है और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जा सकती है। जानकारी के अनुसार, एक बोइंग 777 विमान हर घंटे करीब 8-9 टन फ्यूल खर्च करता है, ऐसे में यह गलती एयरलाइन के लिए काफी महंगी साबित हुई है।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

एलपीजी की पैनिक बुकिंग घटी, लेकिन हालात चिंताजनक : सरकार

नई दिल्ली। LGP संकट को लेकर पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि अब पैनिक बुकिंग में कमी आई है। देशभर में गैस का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, लेकिन हालात अभी भी चिंता वाले बने हुए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने बताया कि 19 मार्च को करीब 55 लाख सिलेंडर की बुकिंग हुई।

पत्नी नौकरानी नहीं, लाइफ पार्टनर : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तलाक से जुड़े एक मामले में कहा, 'पत्नी का खाना न बनाना या घरेलू कामकाज ठीक से न करना क्रूरता नहीं माना जा सकता। आप नौकरानी से शादी नहीं कर रहे, बल्कि जीवनसाथी से कर रहे हैं।' जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने कहा- अब समय बदल चुका है और पति को भी घर के कामों में बराबर की जिम्मेदारी निभानी होगी। आज के समय में पति को भी खाना बनाना और घर के काम करना चाहिए।' बेंच ने इस केस में अंतिम फैसला नहीं सुनाया है। मामले की अगली तारीख पर पति-पत्नी को सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का कहा है।

अवकाश की सूचना

21 मार्च ईद-उल-फितर के अवसर पर 'तमसा संकेत' के सुधी पाठकों, विज्ञापन दाता व समाचार पत्र वितरक बंधुओं और प्रदेशवासियों को ढेरों शुभकामनाएं।

21 मार्च, 2026 यानी शनिवार को तमसा संकेत कार्यालय व प्रेस बंद रहेगा।

अतः अगला अंक 23 मार्च, 2026 सोमवार को प्रकाशित होगा।

-संपादक

यूपी टीईटी परीक्षा जुलाई में होगी, शेड्यूल जारी

4 साल से अभ्यर्थी एग्जाम का इंतजार कर रहे थे

800 रुपए बढ़ाई फॉर्म फीस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी TET के अभ्यर्थियों के लिए बड़ी खबर है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (UPSSSC) ने शुक्रवार को प्राथमिक स्तर (कक्षा 1 से 5) और उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8) के लिए UP-TET 2026 का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। परीक्षा 2, 3 और 4 जुलाई को होगी। ऑनलाइन एप्लिकेशन 27 मार्च से भरे जाएंगे। फॉर्म और फीस जमा करने की आखिरी तारीख 26 अप्रैल है। इस बार जनरल और ओबीसी के लिए फॉर्म फीस 2

हजार रुपए है। पिछली बार की तुलना में 800 रुपए बढ़ा दिए गए हैं। फॉर्म में सुधार और शुल्क समाधान की आखिरी तारीख 1 मई तय की गई है। आयोग ने कहा है कि इस बार TET में वन टाइम रजिस्ट्रेशन (OTR) व्यवस्था लागू की गई है। यूपी में TET परीक्षा 4 साल बाद होने जा रही है। 28 नवंबर, 2021 को परीक्षा लीक हो जाने के कारण निरस्त कर दी गई थी।

>> (शेष पेज 04 पर)

बाकी को 1500 मिलेंगे, टीएमसी घोषणापत्र में पक्के घर, बेरोजगारों को सालाना 18 हजार का वादा

ममता का ऐलान : एससी-एसटी महिलाओं को हर महीने 1700 देंगे

> **ममता ने कहा- मोदी सरकार दोबारा सत्ता में नहीं आएगी**
> *मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा- हम चुनाव के दौरान कई तरह की साजिशें देखते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने सारी हदें पार कर दी हैं। इस चुनाव के बाद परिसीमन (डिलिमिटेशन) होगा, लेकिन मोदी सरकार दोबारा सत्ता में नहीं आएगी, क्योंकि लोगों को बीजेपी सरकार पसंद नहीं है। इसके कारण हैं एनआरसी और परिसीमन है।*

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम/चेन्नई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (TMC) की प्रमुख ममता बनर्जी ने शुक्रवार को विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी का घोषणा पत्र जारी किया। ममता ने लक्ष्मी भंडार योजना के तहत महिलाओं को हर महीने मिलने वाली सहायता राशि 500-500 रुपए बढ़ाने का वादा किया है। मेनिफेस्टो को मुताबिक, अगर ममता की सरकार बनी तो बंगाल में जनरल कैटेगरी की महिलाओं को हर महीने 1500 मिलेंगे। अभी बंगाल सरकार जनरल कैटेगरी की महिलाओं को 1000 हर महीने देती है। वहीं SC/ST महिलाओं को 1700 प्रति माह दिया जाएगा। अभी SC/ST महिलाओं को 1200 रुपए मिलते हैं। इसके अलावा ममता ने बेरोजगार युवाओं को 1500 प्रति माह देने का ऐलान किया है। हर परिवार को पक्का घर और हर घर में नल से पीने का साफ पानी पहुंचाने का वादा किया है।

5 राज्यों का चुनाव शेड्यूल

राज्य	सीटें	फेज	वोटिंग
प. बंगाल	294	2	23 और 29 अप्रैल
तमिलनाडु	234	1	23 अप्रैल
असम	126	1	9 अप्रैल
केरल	140	1	9 अप्रैल
पुडुचेरी	30	1	9 अप्रैल

टीएमसी ने 18 स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की, इनमें ममता, अभिषेक शामिल

तृणमूल कांग्रेस (TMC) ने बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों के समर्थन में 18 स्टार प्रचारकों की सूची भी जारी की है।

> सीएम ममता बनर्जी ने कहा, 'जो लोग यहां चुनाव पर्यवेक्षक (ऑब्जर्वर) के तौर पर तैनात किए गए हैं, वे इस क्षेत्र या राज्य को नहीं जानते। उन्हें राज्य के बारे में कुछ भी पता नहीं है।

हिमंता का दावा- आज शाम कई कांग्रेस नेता बीजेपी में शामिल होंगे

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि मुझे अपने क्षेत्र के साथ-साथ पूरे असम के लोगों का पूरा समर्थन मिलेगा। अगर कांग्रेस पार्टी ने मुझे एक संस्था बना दिया है, तो मुझे खुशी होनी चाहिए। मैं उनका धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने कहा कि वे किसी पार्टी से नहीं, एक व्यक्ति से लड़ रहे हैं। इसका मतलब है कि आज मैं एक संस्था बन गया हूं।

0000 : भोपाल में दाम 117 रुपए प्रति लीटर तक हुए, इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमत 25% बढ़ी

प्रीमियम पेट्रोल 2.35 प्रति लीटर तक महंगा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने आज यानी 20 मार्च को स्पीड और पावर जैसे प्रीमियम पेट्रोल की कीमतें 2.09-2.35 प्रति लीटर तक बढ़ा दी है। भोपाल में इसकी कीमत बढ़कर करीब 117 रुपए पहुंच गई है। सामान्य पेट्रोल की कीमत में बदलाव नहीं हुआ है। भारत पेट्रोलियम यानी BPCL प्रीमियम पेट्रोल को स्पीड नाम से बेचता है। वहीं हिंदुस्तान पेट्रोलियम यानी HPCL इसे पावर और इंडियन ऑइल यानी IOCL XP95 के नाम से इसे बेचता है। ये सामान्य पेट्रोल के मुकाबले करीब 10-12 रुपए महंगा होता है इसके अलावा इंडियन ऑयल ने अपने इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमत में भी 25% की बढ़ोतरी की है। इसके दाम 87.67 प्रति लीटर से बढ़कर अब 109.59 प्रति लीटर

हो गए हैं। सामान्य और प्रीमियम पेट्रोल में मुख्य अंतर इनके ऑक्टेन नंबर का होता है। प्रीमियम पेट्रोल का ऑक्टेन लेवल ज्यादा होता है जो इंजन को 'नॉकिंग' (झटके) से बचाकर बेहतर परफॉर्मेंस और लंबी लाइफ देता है। प्रीमियम पेट्रोल के दाम इसलिए ज्यादा होते हैं क्योंकि इसकी रिफाइनिंग प्रोसेस महंगी है और इसे बनाने के लिए खास 'एडिटिव्स' का इस्तेमाल होता हैं। प्रीमियम फ्यूल की बिक्री कुल पेट्रोल बिक्री का एक छोटा हिस्सा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि प्रीमियम कैटेगरी के पेट्रोल में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन यह बेचे जाने वाले कुल पेट्रोल का केवल 3-4% ही है। इंडियन ऑयल ने अपने इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमत में भी करीब 22 या 25% की बढ़ोतरी की है। इसके दाम 87.67 प्रति लीटर से बढ़कर अब 109.59 प्रति लीटर हो गए हैं।

प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में क्यों हुई बढ़ोतरी?

प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में इजाफे के पीछे मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और प्रीमियम फ्यूल में मिलाए जाने वाले एडिटिव्स की लागत बढ़ना माना जा रहा है। सामान्य पेट्रोल के मुकाबले यह पहले से ही 5 से 10 रुपए महंगा था। पेट्रोल की कीमतों में यह बढ़ोतरी कच्चा तेल महंगा होने और प्रीमियम फ्यूल में मिलाए जाने वाले एडिटिव्स की लागत बढ़ने को माना जा रहा है। ईरान जंग की वजह से क्रूड ऑयल के इंडियन बास्केट के दाम 70 डॉलर से बढ़कर 156 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए हैं। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि क्रूड की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रहती है तो सामान्य पेट्रोल-डीजल की कीमतें भी बढ़ाई जा सकती हैं।

लिपुलेख दर्रे से 6 साल बाद शुरू होगा भारत-चीन ट्रेड

नई दिल्ली। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में स्थित लिपुलेख दर्रे के जरिए भारत और चीन के बीच बॉर्डर ट्रेड छह साल बाद फिर से शुरू होने जा रहा है। यह ट्रेड सेशन आमतौर पर जून से सितंबर तक चलता है। डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट आशीष भटगाई ने बताया कि केंद्र सरकार के निर्देशों के बाद तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) जारी होने के बाद यह प्रक्रिया आगे बढ़ी है। लिपुलेख दर्रे के जरिए तिब्बत के साथ बॉर्डर ट्रेड लंबे अंतराल के बाद 1992 में फिर शुरू हुआ था। हालांकि 2019 में COVID-19 महामारी और गलवान झड़प के कारण इसे बंद कर दिया गया था। पिछले साल 18-19 अगस्त को चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा के दौरान भारत-चीन ने रुपए और युआन में ट्रेड करने का फैसला किया था। अब तक यह 'वस्तु विनिमय' आधारित यानी सामान के बदले सामान का लेन-देने होता था।

मिडिल ईस्ट की तरफ बढ़ रहे 3 अमेरिकी वॉरशिप

इन पर 2200 सैनिक मौजूद, दावा- खार्ग आइलैंड पर कब्जा करने का प्लान

तैनाती

तमसा संकेत, एजेंसी

वॉशिंगटन। मिडिल ईस्ट में अमेरिका अपनी सैन्य मौजूदगी तेजी से बढ़ा रहा है। CNN के मुताबिक सैटेलाइट इमेज से पता चला है कि 3 अमेरिकी वॉरशिप के साथ मरीन सैनिक मिडिल ईस्ट भेजे जा रहे हैं। इनमें USS त्रिपोली, USS सैन डिएगो, USS न्यू ऑरलियंस शामिल हैं। इन पर करीब 2200 सैनिक तैनात हैं। ये सभी सैनिक 31st मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट (MEU) का हिस्सा हैं, जिसे तुरंत एक्शन के लिए तैयार रखा जाता है। यानी ऐसा युद्धपोत जो मरीन सैनिकों, हेलीकॉप्टर और लड़ाकू विमानों (जैसे F-35B) को लेकर चलता है। अभी यह भारत के पास दक्षिणी हिंद महासागर में है।

> यूएसएस त्रिपोली (एलएचए-7) वॉरशिप 17 मार्च को सिंगापुर स्ट्रेट्स में एंट्री करते हुए देखा गया था।

अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प सरकार ईरान के खार्ग द्वीप पर कब्जा करने या उसे घेरने (ब्लॉकेड) की योजना पर विचार कर रही है।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

एचडीएफसी चेयरमैन का इस्तीफा चिंताजनक

पूरी दुनिया में इस समय ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के छेड़े गए युद्ध के कारण आर्थिक संकट कायम हो गया है। तेल और गैस की आपूर्ति में बाधा पड़ने का असर तमाम क्षेत्रों में पड़ रहा है। ये युद्ध कब और कैसे रुकेगा और जो नुकसान दुनिया को हो रहा है, उसकी भरपाई कैसे होगी, इन कठिन सवालों से बाकी देशों के साथ भारत भी जूझ रहा है। लेकिन इस बीच भारतीय अर्थव्यवस्था में एक और घबराहट भरी हलचल देखने मिली। जिसकी वजह से एक दिन में एचडीएफसी को शेयर बाजार में एक लाख करोड़ रूपए का घाटा उठाना पड़ा है। इतना बड़ा घाटा भले ही कंपनी के नाम दर्ज है, मगर इसका भुगतान आखिरकार बैंक के खाताधारकों को ही किसी न किसी तरह से करना पड़ेगा। दरअसल देश के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी के चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने बुधवार देर रात बोर्ड से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने बैंक के अंदर कुछ घटनाओं को अपने व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप न बताते हुए इस्तीफा दिया। यह महज एक शीर्ष पदाधिकारी का पद छोड़ने जैसी सामान्य घटना नहीं है। बल्कि इसमें असली सवाल नैतिकता और भरोसे का है। अतनु चक्रवर्ती ने अपने इस्तीफा पत्र में लिखा है कि, 'पिछले दो वर्षों में बैंक के अंदर जो कुछ घटनाएं और चलन मैंने देखा है, वे मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। यही मेरे इस फैसले का आधार है।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 'मेरे इस्तीफे का कोई अन्य सामग्री कारण नहीं है, सिवाय ऊपर बताए गए के। उन्होंने कहा कि बीते दो सालों में बैंक के अंदर ऐसी घटनाएं हुई है, जो तौर तरीके अपनाए गए, वो उनसे सहमत नहीं हैं। उन्होंने बैंक के कॉरपोरेट गवर्नेंस पर सवाल उठाते हुए पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस आकस्मिक इस्तीफे और उसमें बताए कारणों ने निवेशकों का भरोसा हिला दिया, और इसका नतीजा ये रहा कि बैंक के शेयर 8 प्रतिशत तक टूट गए। स्थिति इतनी बिगड़ी की रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को तुरंत दखल देना पड़ा। आरबीआई ने साफ किया कि बैंक की वित्तीय स्थिति मजबूत है, गवर्नेंस में कोई बड़ी चिंता नहीं है। वहीं बैंक मैनेजमेंट ने तुरंत कदम उठाते हुए केकी मिस्त्री को अंतरिम पार्ट-टाइम चेयरमैन नियुक्त कर दिया है। मिस्त्री ने भी पद संभालते ही बयान जारी किया और कहा कि बैंक के अंदर किसी तरह का शक्तिसंघर्ष नहीं है। अब शुक्रवार को एचडीएफसी के शेयर संभलते हैं या नहीं, ये देखना होगा। लेकिन गुरुवार को जो गिरावट आई है, वह कोविड के बाद एचडीएफसी के स्टॉक में दूसरी बड़ी गिरावट कही जा रही है। शेयर गिरने के चलते बैंक के मार्केट कैप में एक लाख करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट आई है। अतनु चक्रवर्ती ने इस्तीफे में ये तो बताया है कि बैंक के भीतर कुछ ऐसा चल रहा है, जो उन्हें नागवार गुजरा, लेकिन खुलकर फिलहाल उन्होंने किसी गड़बड़ी की तरफ इशारा नहीं किया है। ऐसे में आरबीआई को अब और ज्यादा सतर्क रहते हुए पूरे मामले को समझने और तह तक पहुंचने की जरूरत है। दरअसल इस इस्तीफे के बाद आरबीआई ने कहा है कि 'एचडीएफसी बैंक डोमेस्टिक सिस्टमैटिकली इंपॉर्टेंट बैंक (ष्ठ-स्ङ्क्च) है जिसकी वित्तीय स्थिति मजबूत है। इसका प्रोफेशनल बोर्ड है और योग्य मैनेजमेंट टीम है। हमारे पीरियोडिकल एसेसमेंट के आधार पर बैंक के संचालन या गवर्नेंस को लेकर ऑन रिकॉर्ड किसी तरह की चिंता नहीं है। बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है और पर्याप्त लिक्विडिटी के साथ बैंक की आर्थिक स्थिति संतोषप्रद है।' आरबीआई ने यह भी कहा कि केंद्रीय बैंक आगे एचडीएफसी बैंक के बोर्ड और मैनेजमेंट से संपर्क बनाए रखेगा। लेकिन क्या इस बयान के बाद निवेशकों का भरोसा बैंक पर वापस बनेगा और क्या इस बैंक के लाखों-करोड़ों ग्राहकों के मन में उठ रही शंकाएं दूर हो जाएंगी। क्योंकि बैंकों से पैसे लूटकर देश से भागने या फिर बैंकों के खुद को दिवालिया घोषित कर ग्राहकों की जमापूंजी हड़पने की कई घटनाओं के बाद इस देश का आम आदमी खुद को दूध का जला महसूस करने लगा है। इसलिए बैंकिंग क्षेत्र में जरा सी गड़बड़ी की आशंका उसे याद दिलाती है कि अब छाछ भी फूंक-फूंक कर पीना है। शेयर बाजार में गिरावट छाछ फूंकने जैसी ही है। पाठकों की जानकारी के लिए बता दें कि 1985 बैच के गुजरात कैडर के आईएएस अधिकारी अतनु चक्रवर्ती सेवानिवृत्ति के बाद मई 2021 में एचडीएफसी बैंक बोर्ड में शामिल हुए थे। उनके कार्यकाल के दौरान ही एचडीएफसी बैंक का एचडीएफसी के साथ विलय हुआ था, जिससे यह संपत्ति के आधार पर भारत का दूसरा सबसे बड़ा बैंक बना। एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के बीच विलय करीब 40 अरब डॉलर का है। जो कि भारतीय कॉरपोरेट इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा वित्तीय लेनदेन है। इस विलय के बाद एचडीएफसी बैंक दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बैंक बन गया है। एचडीएफसी को नयी ऊंचाइयों पर पहुंचाने का ही शायद परिणाम था कि उनकी नियुक्ति के तीन साल पूरे होने के बाद मई 2024 में दोबारा उनकी नियुक्ति तीन साल के लिए हुई, जिसकी समयसीमा 4 मई, 2027 को खत्म होने वाली थी। लेकिन अगले साल तक इंतजार न कर श्री चक्रवर्ती ने पहले ही इस्तीफा दे दिया।

पड़ोसी देशों का भरोसा तोड़ता ईरान

> **ईरान यह कहकर अपने पड़ोसी देशों के नागरिक ठिकानों और ऊर्जा स्रोतों पर हमले नहीं कर सकता कि इन देशों में अमेरिका के सैन्य ठिकाने हैं। यह अंतर समझना जरूरी है कि अपनी रक्षा करना एक बात है और युद्ध को इस तरह फैलाना कि उसका डर पड़ोस के आम लोग उठाएं, बिल्कुल दूसरी बात है।**

रामिश सिद्दीकी। युद्ध के समय देशों के लक्ष्य बदल जाते हैं। उस समय केवल तात्कालिक बातें जैसे-जवाबी हमला, दबाव, सुरक्षा, शक्ति प्रदर्शन और अस्तित्व बचाना दिखाई देती हैं। दीर्घकालिक सोच अल्पकालिक में बदल जाता है। ऐसे में लोग अक्सर भूल जाते हैं कि युद्ध कभी शाश्वत नहीं होते। प्रथम विश्वयुद्ध भी समाप्त हुआ और द्वितीय विश्वयुद्ध भी। हर युद्ध अंततः एक ऐसे मोड़ पर पहुंचता है, जहां असली चुनौती लड़ाई नहीं, बल्कि टूटी हुई चीजों को फिर से जोड़ना और बचे हुए लोगों के साथ दोबारा सामान्य जीवन बिताना होता है। इसी दृष्टि से आज पड़ोसी इस्लामी देशों पर ईरान के लगातार हमले दीर्घकालिक रणनीति के रूप में उसके अपने ही हितों के विरुद्ध हैं। किसी भी सैन्य कार्रवाई के पीछे तात्कालिक कारण हो सकते हैं, लेकिन उसके राजनीतिक और सामाजिक मूल्य कहीं अधिक दूर तक जाते हैं। क्षतिग्रस्त इमारतें फिर बन सकती हैं, बाधित हवाईअड्डे फिर खुल सकते हैं और अर्थव्यवस्था भी समय के साथ संभल सकती है, पर पड़ोसियों के बीच एक बार टूटा विश्वास आसानी से वापस नहीं आता। यह विश्वास हर मिसाइल, ड्रोन हमलों के साथ और कमजोर होता जा रहा है, जो खाड़ी के देशों में नागरिक क्षेत्रों में भय पैदा करता है।

यह केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि ईरान और उसके पड़ोसी देशों के भविष्य का भी प्रश्न है। ईरान कोई ऐसा देश नहीं है, जो दुनिया के किसी अलग कोने में बसा हो। करीब सात देशों के साथ उसकी सीमा लगती है। संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन जैसे देशों में लाखों की संख्या में ईरानी लोग पीढ़ियों से बसे हुए हैं। दुबई जैसे शहरों में ईरानी लोगों की व्यापारिक उपस्थिति लंबे समय से आर्थिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। ऐसे में यदि वही देश आज ईरान के हमलों से भय और असुरक्षा महसूस करने लगें, तो यह स्थिति केवल सामरिक नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक संकट भी खड़े करती है। सोचने की बात यह है कि दुबई, मनामा या कुवैत में रहने वाला कोई ईरानी परिवार आज क्या महसूस कर रहा होगा? जिस देश ने उसे काम, सुरक्षा और जीवन का आधार दिया, उसी देश पर उसके मूल देश का नाम हमलों के साथ जुड़ रहा है। रोजमर्रा का जो भरोसा लोगों को साथ रहने देता है, जब उसी में भय घर कर जाए, तो उसका असर बहुत गहरा होता है। किसी भी क्षेत्र को केवल सैन्य ताकत नहीं बांधती। उसे वह भरोसा बांधता है कि पड़ोसी एक-दूसरे के नागरिकों को डर और विनाश का माध्यम नहीं बनाएंगे। जब किसी देश पर हमला होता है, तो उसे आत्मरक्षा का अधिकार होता है।

दुनिया इसे समझती है और अंतरराष्ट्रीय कानून भी इस अधिकार को मान्यता देता है, लेकिन आत्मरक्षा का अधिकार असीमित नहीं होता। उसकी वैधता इससे तय होती है कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है? ईरान यह कहकर अपने पड़ोसी देशों के नागरिक ठिकानों और ऊर्जा स्रोतों पर हमले नहीं कर सकता कि इन देशों में अमेरिका के सैन्य ठिकाने हैं। यह अंतर समझना जरूरी है कि अपनी रक्षा करना एक बात है और युद्ध को इस तरह फैलाना कि उसका डर पड़ोस के आम लोग उठाएं, बिल्कुल दूसरी बात है। जब से अमेरिका-इजरायल एवं ईरान का युद्ध शुरू हुआ है, तब से एक दिन ऐसा नहीं बीता, जब खाड़ी देशों में रहने वाले नागरिकों को भय के साए में न रहना पड़ा हो। न तो इन देशों में रहने वाले लोग ईरान के प्रति कोई द्वेष रखते हैं, न इनमें से कोई देश ईरान पर हुए हमले के लिए जिम्मेदार है। फिर भी ईरान प्रतिदिन इन देशों को यह कहकर निशाना बना रहा है कि वह इन देशों को नहीं, बल्कि वहां जो अमेरिकी ठिकाने हैं, उन्हें निशाना बना रहा है, लेकिन वह तो नागरिक क्षेत्रों पर हमले कर रहा है। यह न तो दीर्घकालिक नीति हो सकती है और न ही नैतिक रूप से एक टिकाऊ तर्क।

पड़ोसी देशों पर हमलों के साथ ईरान ने होर्मुज जलमार्ग बंद करने का जो निर्णय लिया, वह भी उसके अल्पकालिक सोच की तरफ इशारा करता है। यह केवल समुद्री नक्शे पर एक सामरिक बिंदु नहीं है, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था की एक महत्वपूर्ण जीवनरेखा है। वैश्विक तेल आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से गुजरता है। यदि यहां गंभीर व्यवधान पैदा होता है, तो उसका असर केवल क्षेत्रीय राजनीति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दुनिया भर के आम लोगों का जीवन प्रभावित होता है। ईरान के लिए विवेकपूर्ण रास्ता यही होगा कि वह न सिर्फ पड़ोसी खाड़ी देशों के नागरिक ठिकानों और ढांचे के प्रति संयम दिखाए, बल्कि होर्मुज जलमार्ग बंद होने के कारण बढ़ रही समस्याओं और तनाव को भी खत्म करे। आज ईरान को दीर्घकालिक सोच की जरूरत है। युद्ध कभी स्थायी नहीं होता, लेकिन ईरान की भौगोलिक वास्तविकता जरूर स्थायी है। वर्तमान में प्रत्येक देश को व्यापार, सुरक्षा आदि के लिए अपने पड़ोसी देशों की आवश्यकता पड़ती है।

यदि वही विश्वास आज क्षीण हो गया, तो कल किसी भी पुनर्निर्माण प्रक्रिया की नींव कमजोर ही रहेगी। युद्ध के बाद केवल टूटी इमारतें नहीं गिनी जातीं। यह भी देखा जाता है कि समाजों के बीच कितना भरोसा बचा है। दुनिया इसे समझती है और अंतरराष्ट्रीय कानून भी इस अधिकार को मान्यता देता है, लेकिन आत्मरक्षा का अधिकार असीमित नहीं होता। उसकी वैधता इससे तय होती है कि उसका इस्तेमाल कैसे किया जा रहा है? ईरान यह कहकर अपने पड़ोसी देशों के नागरिक ठिकानों और ऊर्जा स्रोतों पर हमले नहीं कर सकता कि इन देशों में अमेरिका के सैन्य ठिकाने हैं। यह केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि ईरान और उसके पड़ोसी देशों के भविष्य का भी प्रश्न है। ईरान कोई ऐसा देश नहीं है, जो दुनिया के किसी अलग कोने में बसा हो। करीब सात देशों के साथ उसकी सीमा लगती है। संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और बहरीन जैसे देशों में लाखों की संख्या में ईरानी लोग पीढ़ियों से बसे हुए हैं।

रामिश सिद्दीकी

जन सुराज का...

सौरभ वार्ष्णेय

नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार किस ओर

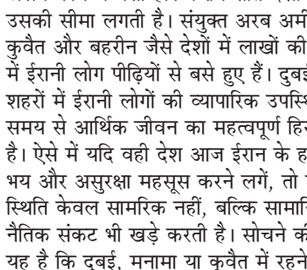

बिहार की राजनीति एक बार फिर नए मोड़ पर खड़ी है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राज्यसभा सीट फतह कर चुके हैं. अब ऐसे में बिहार की राजनीति किस ओर करवट ले रही है, साफ साफ दिख रहा है । भाजपा की कही बात सिद्ध होने जा रही है कि भाजपा का मुख्यमंत्री होना चाहिए। अब स्वाभाविक रूप से यह सवाल उठता है कि राज्य की बागडोर अब किसके हाथों में सौंपी जाएगी। यह केवल नेतृत्व परिवर्तन का प्रश्न नहीं बल्कि शासन की निरंतरता, विकास की गति और राजनीतिक संतुलन का भी विषय है। वहीं क्या पर्ची निकाली जायेगी जैसा कि भाजपा नेतृत्व पहले भी कई राज्यों में विधायकों में से किसी एक की पर्ची निकालकर राजतिलक कर चुका है हालांकि गठबंधन के बाद भाजपा के लिए आसान नहीं रहेगा। अब अगर नीतीश कुमार की पार्टी की बात करें तो सबसे पहले, जेडीयू के भीतर नेतृत्व की तलाश तेज होगी। पार्टी में कई चेहरे हैं लेकिन अनुभव, स्वीकार्यता और प्रशासनिक समझ के आधार पर ही अंतिम निर्णय होगा। साथ ही, सहयोगी दलों की भूमिका भी अहम हो जाएगी क्योंकि बिहार की सरकार गठबंधन की राजनीति पर टिकी है। ऐसे में सहमति से नेता का चयन करना एक चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया हो सकती है। दूसरी ओर, विपक्ष भी इस मौके को भुनाने की कोशिश करेगा। तेजस्वी के नेतृत्व में विपक्ष सरकार पर दबाव बनाने और अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने का प्रयास करेगा। यदि सत्तारूढ़ गठबंधन में किसी प्रकार की असहमति या नेतृत्व को लेकर भ्रम की स्थिति बनती है तो विपक्ष इसे जनता के बीच एक मुद्दा बना सकता है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने सुशासन, सड़क, शिक्षा और कानून-व्यवस्था के क्षेत्रों में कई बदलाव देखे हैं। ऐसे में जो भी नया नेता सामने आएगा, उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती इन उपलब्धियों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने की होगी। साथ ही, उसे जनता के विश्वास को भी जीतना होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी होती है। यह कहा जा सकता है कि नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने के बाद बिहार का दायित्व केवल किसी एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरे नेतृत्व तंत्र पर होगा। एक मजबूत, समन्वित और दूरदर्शी नेतृत्व ही राज्य को स्थिरता और विकास के पथ पर बनाए रख सकता है। बिहार विधानसभा की सीटों पर बात करें तो कुल सीटें: 243 है जिसमें बहुमत का आंकड़ा 122 है। दलवार सीट जिसमें भाजपा- 89, जेडी(यू) -85, एनडीए कुल - 174, राजद - 25, कांग्रेस -6, वाम दल (सीपीआई(एमएल), सीपीआई(एम)) - 3, महागठबंधन कुल- 34,एलजेपी (आरवी)- 19, एआईएमआईएम - 5, हैम(एस) - 5, आरएलएम- 4 सहित अन्य 2 हैं। नीतीश कुमार के केंद्र में मंत्री बनने को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। हालांकि, हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों—खासकर उनके राज्यसभा जाने की चर्चाओं—के बाद यह अटकलें जरूर तेज हुई हैं कि वे केंद्र की राजनीति में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। अगर वे राज्यसभा सदस्य बनते हैं तो सैद्धांतिक रूप से केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होना संभव हो जाता है। खैर यह तो भविष्य के गर्त में है कि बिहार का मुख्यमंत्री कौन होगा? भाजपा से अगर कोई आता है तो यह समय सही है क्योंकि बिहार एक संभावनाओं और चुनौतियों का प्रदेश है। भारत के पूर्वी हिस्से में स्थित बिहार एक ऐसा प्रदेश है जिसकी पहचान इतिहास, संस्कृति और संघर्षों के अनूठे संगम के रूप में होती है। यह वही धरती है, जहाँ प्राचीन काल में ज्ञान और सभ्यता के केंद्र विकसित हुए—चाहे वह नालंदा विश्वविद्यालय हो या विक्रमशिला विश्वविद्यालय लेकिन आधुनिक समय में बिहार को अक्सर पिछड़ेपन और विकास की चुनौतियों के संदर्भ में देखा जाता है। बिहार की सबसे बड़ी ताकत उसकी विशाल युवा आबादी है। यह जनसंख्या यदि सही दिशा में मार्गदर्शित हो तो प्रदेश की तस्वीर बदल सकती है। कृषि यहाँ की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है लेकिन उद्योगों का अभाव और रोजगार के सीमित अवसर युवाओं को पलायन के लिए मजबूर करते हैं। यही कारण है कि बिहार के श्रमिक देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी मेहनत का लोहा मनवाते हैं।राजनीतिक दृष्टि से भी बिहार हमेशा चर्चा में रहा है। नीतीश कुमार जैसे नेताओं ने सुशासन और विकास के मुद्दों को केंद्र में लाने की कोशिश की है लेकिन राजनीतिक अस्थिरता और गठबंधन की मजबूरियाँ अक्सर नीतियों की निरंतरता में बाधा बनती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में सुधार के प्रयास हुए हैं, परंतु अभी भी लंबा रास्ता तय करना बाकी है। सामाजिक दृष्टिकोण से बिहार में बदलाव की एक नई लहर दिखाई दे रही है। महिलाओं की शिक्षा और सहभागिता बढ़ी है, पंचायत स्तर पर उनकी भागीदारी ने समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया है। वहीं, आधारभूत संरचना—सड़क, बिजली और डिजिटल कनेक्टिविटी—में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि बिहार के सामने चुनौतियाँ कम नहीं हैं। भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था की स्थिति, और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर गंभीरता से काम करने की आवश्यकता है। विकास की रफ्तार को तेज करने के लिए सरकार और समाज दोनों को मिलकर प्रयास करना होगा।

कारण के रूप...

ओंकारेश्वर पांडेय

उत्तर प्रदेश: गड्ढों में दफन 'डबल इंजन' का गौरव और 'एक्ट ऑफ फ्रॉड' की दास्तान

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 'बुलडोजर' को सुशासन और त्वरित न्याय के प्रतीक के रूप में पेश किया गया लेकिन जब विकास की बात आती है तो ऐसा लगता है कि यह प्रतीकवाद केवल पुराने निर्माणों को ढहाने तक ही सीमित रह गया है। लखनऊ के गोमती नगर में हाल ही में हुआ हादसा—जहाँ 1,519 करोड़ की भारी-भरकम लागत वाला 'ग्रीन कॉरिडोर' अपने भव्य उद्घाटन के मात्र 48 घंटे बाद ही धंस गया—भाजपा सरकार के 'विकास मॉडल' की इंजीनियरिंग और नैतिकता, दोनों पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह केवल एक सड़क का धंसना नहीं है, बल्कि उस व्यवस्थागत भ्रष्टाचार का सुबूत है जहाँ 'इवेंट मैनेजमेंट' को 'इंजीनियरिंग' पर वरीयता दी जाती है। बीते 13 मार्च 2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जिस 28 किमी लंबे सिग्नल-फ्री 'ग्रीन कॉरिडोर' (फेज-2) का फीता काटा, उसे राजधानी की यातायात समस्याओं का अंतिम समाधान बताया गया था। दावा था कि यह कॉरिडोर यात्रा समय को 45 मिनट से घटाकर 15 मिनट कर देगा लेकिन 15 मार्च को हनुमान सेतु से निशातगंज के बीच सड़क के सीने पर बना 5 फुट गहरा गड्ढा चीख-चीखकर भ्रष्टाचार की कहानी कह रहा था। कारण के रूप में 15 साल पुरानी जर्जर सीवर लाइन के रिसाव का हवाला दिया गया लेकिन वास्तविकता यह है कि स्थानीय निवासियों ने डेढ़ महीने पहले ही इस रिसाव की चेतावनी दी थी। उससे भी अधिक चिंताजनक यह है कि उद्घाटन से पहले ट्रैफिक पुलिस ने कॉरिडोर के 'फ्लॉड डिजाइन' (दोषपूर्ण डिजाइन) पर लिखित आपत्ति जताई थी, जिसे राजनीतिक दबाव में दरकिनार कर दिया गया। जब बुनियादी ढांचा ताश के पत्तों की तरह ढहता है, तो उसे 'एक्ट ऑफ गॉड' कहना जनता की बुद्धि का अपमान है; यह स्पष्ट रूप से 'एक्ट ऑफ फ्रॉड' है। 2017 में सत्ता संभालते ही मुख्यमंत्री ने संकल्प लिया था—15 दिनों में प्रदेश गड्ढा मुक्त होगा।ह्न नौ साल बाद, केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय (MoRTH) के फरवरी 2026 के आंकड़े इस संकल्प की विभीषिका बताते हैं। 2020 से 2024 के बीच, भारत में गड्ढों के कारण हुई कुल 9,438 मौतों में से 5,127 मौतें अकेले उत्तर प्रदेश में हुईं। यह सांख्यिकीय त्रासदी है कि देश की 54% से अधिक 'गड्ढा-जनित' मौतें केवल एक राज्य में हो रही हैं। उत्तर प्रदेश में यह ग्राफ 2020 (1,555 मौतें) से बढ़कर 2024 तक 2,385 मौतों तक पहुंच गया—यानी 53% की वृद्धि। विडंबना देखिए, जहाँ आंध्र प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों ने तकनीकी सुधारों से इन मौतों को शून्य के करीब ला दिया है, वहीं उत्तर प्रदेश 'एक्सप्रेसवे प्रदेश' होने के बावजूद अपनी जनता को सुरक्षित सड़कें नहीं दे पा रहा है। भाजपा सरकार अक्सर राष्ट्रीय राजमार्गों (NH) की लंबाई बढ़ाने का दावा करती है, लेकिन जब हम पिछले 18 वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण करते हैं तो 'अभूतपूर्व गति' का दावा तर्क की कसौटी पर कमजोर पड़ता है: बसपा शासन (2007-12): तत्कालीन सरकार ने 1,944 किमी NH का निर्माण किया जो प्रति वर्ष औसतन 388.8 किमी था। सपा शासन (2012-17): औसत गति 240 किमी/वर्ष रही लेकिन इस दौरान 'क्वालिटी एसेट्स' पर ध्यान था।

जरा हटके

जांच में खुलासा...

अशोक भाटिया

शर्मनाक है ज्योतिषी अशोक खरात की हरकत

महाराष्ट्र के नासिक से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। यह खबर सिर्फ एक क्राइम की नहीं है बल्कि भरोसे के साथ हुए सबसे खतरनाक धोखे की है। एक ऐसा शख्स, जिसे लोग 'गुरु' मानते थे। जिसके पास अपनी समस्याओं का हल ढूंढने लोग दूर-दूर से आते थे। वही शख्स अपने फार्महाउस और दफ्तर को एक खौफनाक जाल में बदल चुका था। बेडरूम में हिडन कैमरे। महिलाओं को बुलाने के लिए झूठे वादे और फिर उन्हें सम्मोहन और डर के जरिए फंसाना। 58 महिलाओं के साथ जुड़े वीडियो सामने आने के बाद इस पूरे नेटवर्क का काला सच अब उजागर हो चुका है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह मामला इसलिए और भी चौंकाने वाला है क्योंकि आरोपी ने अपने प्रभाव और छवि का इस्तेमाल हथियार की तरह किया। खुद को 'कैप्टन' कहने वाला यह शख्स लोगों के मन में डर और आस्था दोनों पैदा करता था। महिलाओं को विश्वास दिलाया जाता था कि उनकी जिंदगी की समस्याएं खत्म हो जाएंगी। लेकिन असल में वह उन्हें एक ऐसे जाल में फंसा रहा था, जहां से निकलना मुश्किल था। सम्मोहन, नशीला पदार्थ और ब्लैकमेल इन तीन हथियारों के सहारे उसने अपना काला साम्राज्य खड़ा कर लिया। अशोक खरात नासिक के सिन्नर तालुका के मिरगांव स्थित श्री ईशान्येश्वर मंदिर ट्रस्ट का चेयरमैन भी बताया जाता है। इस पद के चलते उसकी स्थानीय स्तर पर अच्छी पकड़ थी और लोगों के बीच उसकी छवि एक 'आध्यात्मिक मार्गदर्शक' की बन गई थी। यही वजह थी कि आम लोगों से लेकर प्रभावशाली व्यक्तियों तक, कई लोग उससे जुड़ते गए। यह पहला मौका नहीं है जब अशोक खरात विवादों में आया हो। महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति के कार्यकर्ता पहले से ही उसके खिलाफ मोर्चा खोल चुके थे। जब मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उसके यहां पहुंचे थे, तब भी इस मुलाकात को लेकर काफी विवाद हुआ था। अंधविश्वास के खिलाफ काम करने वाले संगठनों ने इस पर सवाल उठाए थे और ऐसे 'बाबाओं' को बढ़ावा देने पर आपत्ति जताई थी। इस हाई प्रोफाइल बाबा की गिरफ्तारी ने महाराष्ट्र में सियासी हलचल बढ़ा दी है। पुलिस FIR के मुताबिक, आरोपी अशोक खरात जो खुद को 'कैप्टन' कहता था, मर्चेंट नेवी का पूर्व अधिकारी बताया जाता है। उसने समाज में एक प्रतिष्ठित ज्योतिषी और "दैवी शक्तियों" के जानकार के रूप में अपनी पहचान बनाई थी और अपने प्रभाव का एक अनोखा रहस्यलोक बनाया था। पीड़िता का आरोप है कि पूजा-पाठ करने के बहाने, 67 साल के इस ज्योतिषी ने उसे नशीला पदार्थ खिलाया, उसे सम्मोहित किया और उसके विश्वास का गलत फायदा उठाकर उसका यौन शोषण किया। आरोपी ज्योतिष नासिक के पॉश इलाके कनाडा कॉर्नर में अपना ऑफिस चलाता था और साथ ही सिन्नर के मिरगांव में मंदिर और एक आलीशान फार्महाउस का मालिक था। पुलिस के अनुसार, खरात पर आरोप है कि उसने महिलाओं को उनकी निजी समस्याओं के समाधान का झांसा दिया और "पूजा-पाठ" करने के नाम पर उसे नशीला पदार्थ दिया और उन्हें सम्मोहित (हिप्नोटाइज) कर उनके साथ दुष्कर्म किया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह मामला सिर्फ एक पीड़िता तक सीमित नहीं है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बाबा के फार्म हाउस से 58 महिलाओं के संदिग्ध वीडियो मिले हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी ने अपने ऑफिस और फार्म हाउस में गुप्त कैमरे लगा रखे थे। पुलिस को छानबीन में एक पेन ड्राइव भी मिली है, इसमें 58 अलग-अलग महिलाओं के आपत्तिजनक वीडियो क्लिप्स होने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, वह महिलाओं को डराने के लिए तंत्र-मंत्र और परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकी देता था। राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए IPS अधिकारी तेजस्विनी सतपुते की अगुवाई में एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया है। नासिक क्राइम ब्रांच यूनिट 1 आरोपी से बरामद किए गए आपत्तिजनक वीडियो और दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी नासिक में 'ओकस प्रॉपर्टी डीलर्स एंड डेवलपर्स' नाम से एक दफ़्तर चलाता था। हालांकि, आरोप है कि वहां रियल एस्टेट का नहीं, बल्कि अपराध का धंधा चलता था। बताया जाता है कि आरोपी का नासिक के पॉश इलाके में रियल एस्टेट ऑफिस होने के साथ-साथ मीरगांव में ईशान्येश्वर नाम का एक आलीशान आश्रम और मंदिर भी है। सूत्रों के अनुसार, यहां बड़े-बड़े रसूखदार लोग दर्शन के लिए आते थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस नेटवर्क के पीछे और कौन-कौन से चेहरे शामिल हैं और यह काला कारोबार कब से चल रहा था। ऐसी चर्चा है कि उसके राजनीतिक संबंध दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र की सत्ता के गलियारों तक फैले हुए हैं। मीरगांव में उसका 'ईशान्येश्वर मंदिर' और एक आलीशान आश्रम है, जहां अक्सर जाने-माने और प्रभावशाली लोग दर्शन करने आते थे। नासिक के सिन्नर में स्थित श्री ईशान्येश्वर मंदिर ट्रस्ट के चेयरमैन के तौर पर, खरात को जाने-माने राजनेताओं, मशहूर हस्तियों और बड़े कारोबारियों के आध्यात्मिक गुरु के रूप में व्यापक पहचान मिली थी। आरोपी की गिरफ्तारी भी किसी फिल्मी सीन से कम नहीं थी। पुलिस ने गोपनीय ऑपरेशन के तहत रात में उसके फार्महाउस के बाहर "चोर-चोर" चिल्लाकर अफरा-तफरी मचाई और इसी बहाने घर में प्रवेश किया और सीधे बेडरूम से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने खरात के ठिकाने से पिस्तौल, जिंदा कारतूस और कई संदिग्ध दस्तावेज भी बरामद किए हैं। बताया जा रहा है कि कई राजनेता, सेलिब्रिटी और कारोबारी उसके संपर्क में थे जो उसके मंदिर और फार्महाउस पर आते जाते थे। इसी कारण यह मामला अब राजनीतिक विवाद का रूप भी ले चुका है। इस मामले ने अब एक राजनीतिक तूफान भी खड़ा कर दिया है क्योंकि कई राजनेता और जानी-मानी हस्तियां पहले भी इस ज्योतिषी से मिलने आ चुकी थीं। शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट की नेता सुषमा अंधारे ने कहा, ₹क्या उन लोगों के पैर पूजे जाने चाहिए जो महिलाओं का शोषण करते हैं? हम मांग करते हैं कि उपमुख्यमंत्री इस आचरण का संज्ञान लें।₹ बहरहाल, नासिक का यह मामला सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि समाज में अंधविश्वास और भरोसे के दुरुपयोग का खतरनाक उदाहरण के तौर पर पेश किया जा रहा है। नवंबर 2022 में, जब पीड़िता अनुष्ठान पर चर्चा करने के लिए नासिक में कनाडा कॉर्नर में नकली बाबा संदिग्ध अशोक खरात के कार्यालय में अकेली गई थी, तो बाबा ने इस अवसर का लाभ उठाकर उसे कार्यालय के कक्ष में बुलाया, उसे प्रसाद के रूप में पेड़ा दिया और फिर उसे तांबे के बर्तन से पानी दिया।

बांग्लादेशी खिलाड़ियों के खेलने पर सस्पेंस

बीसीबी बोला-सरकार से मंजूरी मिलने के बाद ही पाकिस्तान जाएंगे प्लेयर्स, सुरक्षा कारणों से फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) में बांग्लादेशी खिलाड़ियों की भागीदारी अब सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) ने क्षेत्रीय तनाव को देखते हुए यह फैसला लिया है। पहले बोर्ड ने 6 खिलाड़ियों को NOC दिया था। इनमें मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन एमोन (लाहौर कलंदर्स), शोरीफुल इस्लाम, नाहिद राणा, तंजीद हसन तमीम और रिशाद हुसैन (पेशावर जाल्मी) शामिल हैं। PSL 26 मार्च से 3 मई तक खेला जाना है, लेकिन अब खिलाड़ियों के पाकिस्तान जाने से पहले सरकार से अनुमति ली जाएगी। नजमुल आबेदीन ने आगे कहा कि बोर्ड के लिए वहां की जमीनी हकीकत को समझना मुमकिन नहीं है। यह काम सरकार का है। उन्होंने कहा,'सरकार को वहां की सुरक्षा स्थिति के बारे में बेहतर जानकारी होगी। अगर सरकार हमें हरी झंडी देती है और कहती है कि यात्रा करना सुरक्षित है,

तभी खिलाड़ी वहां जाएंगे। सैद्धांतिक रूप से हमने एनओसी देने का फैसला किया है, लेकिन सब कुछ उस समय के हालात पर निर्भर करेगा।' BCB ने खिलाड़ियों को आंशिक NOC जारी किया है ताकि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध रहें। बांग्लादेश इस समय ICC वनडे रैंकिंग में नौवें नंबर पर है और अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की कोशिश में है। पाकिस्तान को 2-1 से हराने के बाद बांग्लादेश की नजरें अब न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज कर अपनी रैंकिंग सुधारने पर हैं।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर तनाव बनी वजह

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के क्रिकेट ऑपरेशंस चेयरमैन नजमुल आबेदीन ने कहा कि मौजूदा हालात सामान्य नहीं हैं। अफगानिस्तान और पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव की वजह से खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर रिस्क है। उन्होंने बताया,'आम तौर पर हमें सरकार से पूछने की जरूरत नहीं पड़ती। हम एनओसी देते हैं, खिलाड़ी जाकर खेलते हैं और वापस आ जाते हैं। लेकिन अभी स्थिति अलग है, इसलिए हम सरकार से चर्चा करेंगे।'

वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन को देखते हुए आंशिक एनओसी

BCB ने खिलाड़ियों को आंशिक NOC जारी किया है ताकि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध रहें। बांग्लादेश इस समय ICC वनडे रैंकिंग में नौवें नंबर पर है और अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की कोशिश में है। पाकिस्तान को 2-1 से हराने के बाद बांग्लादेश की नजरें अब न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज कर अपनी रैंकिंग सुधारने पर हैं।

बांग्लादेश ने पाकिस्तान को घरेलू तीन वनडे मैचों की सीरीज में 2-1 से हराया।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए कैंप मिस करेंगे खिलाड़ी

अगर सरकार से मंजूरी मिल जाती है, तो PSLखेलने वाले 6 खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज के तैयारी कैंप में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। न्यूजीलैंड की टीम 13 अप्रैल को बांग्लादेश दौरे पर आ रही है, जहां उसे 3 वनडे और 3 टी-20 मैच खेलने हैं। वनडे सीरीज 17 अप्रैल से शुरू होगी, जबकि टी-20 सीरीज 27 अप्रैल से 2 मई के बीच खेली जाएगी।

आईपीएल में पहली बार सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय

कमिंस बाहर तो ईशान ने कमान संभाली, 6 कैप्टन पहली ट्रॉफी जीतने की दौड़ में

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL के 19 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब सभी 10 टीमों के कप्तान भारतीय होंगे। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस के शुरुआती मैचों से बाहर होने के बाद फ्रेंचाइजी ने उनकी जगह ईशान किशन को कप्तानी सौंपी है। इसके साथ ही टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में सभी टीमों की कमान भारतीय खिलाड़ियों के हाथ में होगी। पिछले सीजन में भी हैदराबाद के पैट कमिंस को छोड़कर बाकी सभी टीमों के कप्तान भारतीय ही थे। ईशान किशन पहली बार IPL में कप्तानी करते नजर आएंगे। मौजूदा 10 कप्तानों में 6 ऐसे हैं, जो अपनी पहली ट्रॉफी की तलाश में हैं। इनमें ऋतुराज गायकवाड़, रियान पराग, शुभमन गिल, अजिंक्य रहाणे, ईशान किशन और

ऋषभ पंत शामिल हैं। वहीं, बाकी 4 कप्तान पहले ही खिताब जीत चुके हैं। श्रेयस अय्यर ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया था, रजत पाटीदार ने 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को खिताब दिलाया, जबकि हार्दिक पांड्या ने 2022 में गुजरात टाइटंस को ट्रॉफी जिताई थी। श्रेयस अय्यर इकौलते कप्तान जो तीन फ्रेंचाइजियों को फाइनल तक पहुंचाया

श्रेयस अय्यर IPL इतिहास के इकलौते कप्तान हैं, जिन्होंने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों को फाइनल तक पहुंचाया है। उन्होंने 2020 में दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया, जहां टीम को मुंबई इंडियंस से हार मिली थी। इसके बाद 2024 में उन्होंने KKR को चैंपियन बनाया और 2025 में पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया, जहां टीम RCB से हार गई। IPL इतिहास में सबसे सफल कप्तानों की बात करें तो महेंद्र सिंह धोनी (CSK) और रोहित शर्मा (MI) शीर्ष पर हैं। दोनों ने अपनी-अपनी टीमों को 5-5 बार चैंपियन बनाया है। धोनी के नाम सबसे ज्यादा मैच (229) और जीत (134) दर्ज हैं, जबकि रोहित ने मुंबई इंडियंस को पांच खिताब दिलाए हैं।

फास्ट न्यूज

'आदित्य धर ने कई बातें छुपाकर रखीं'

नई दिल्ली। फिल्म 'धुरंधर' में बार-बार 'बड़े साहब' का जिक्र हुआ था, लेकिन किरदार का खुलासा नहीं किया गया था। अब 'धुरंधर 2' के रिलीज होने के बाद सामने आया है कि इस रोल को एक्टर दानिश इकबाल ने निभाया है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में दानिश इकबाल ने बताया कि उन्हें शूटिंग के दौरान यह जानकारी नहीं थी कि वह 'बड़े साहब' का किरदार निभा रहे हैं।

कतर की मदद से सुरक्षित घर पहुंचा परमिंदर

दोहा। पश्चिम एशिया संकट के चलते खाड़ी देशों में बड़ी संख्या में लोग फंसे हुए हैं। ऐसे मुश्किल समय में कतर में एक भारतीय नागरिक परमिंदर को ब्रेन स्ट्रोक आ गया, जिससे उसकी जान पर बन आई। एक तो पराया देश और ऊपर से जानलेवा खतरा, लेकिन इस मुश्किल घड़ी में मानवता की मिसाल पेश करते हुए लोगों ने परमिंदर की मदद की। भारतीय दूतावास ने भी मदद दी और बाद में कतर सरकार के सहयोग से परमिंदर सुरक्षित स्वदेश लौट आया है। भारतीय युवक परमिंदर कनाडा जा रहा था, लेकिन पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के चलते उसकी यात्रा बाधित हो गई और वह कतर में फंस गया। कतर में रहने के दौरान ही परमिंदर को ब्रेन स्ट्रोक आया, लेकिन कतर सरकार, कतर में भारतीय मिशन और कई सामुदायिक संगठनों की मदद से परमिंदर की घर वापसी संभव हुई। कतर में भारतीय राजदूत विपुल ने दूतावास के प्रथम सचिव ईश सिंघल के साथ मिलकर स्थानीय और सामुदायिक संगठनों की मदद से परमिंदर की सहायता की।

फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की मां का निधन

अंतिम संस्कार में करण जौहर और विजय वर्मा समेत कई सेलेब्स पहुंचे

- करण जौहर और सोनाली बेंद्रे मनीष मल्होत्रा के घर पहुंचे और परिवार को सांत्वना दी।
- वरुण धवन पत्नी नताशा के साथ मनीष मल्होत्रा के घर पहुंचे और दुख व्यक्त किया।

मुंबई, एजेंसी

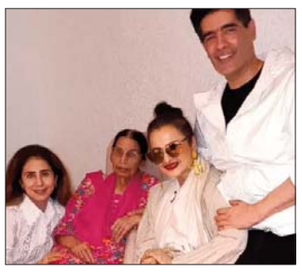

फेमस फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की मां गरिमा मल्होत्रा का गुरुवार को निधन हो गया। वह 94 साल की थीं। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह मुंबई के सांताक्रूज वेस्ट स्थित श्मशान घाट में हुआ। मनीष की मां को अंतिम विदाई देने के लिए करण जौहर, विजय वर्मा, रोनित राय समेत कई बॉलीवुड सेलेब्स पहुंचे। इससे पहले मनीष मल्होत्रा की मां के निधन की खबर सामने आने के बाद गुरुवार को करण जौहर, करिश्मा कपूर, ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन, रवीना टंडन, वरुण धवन और कियारा आडवाणी समेत कई बॉलीवुड सेलेब्स संवेदना व्यक्त करने मनीष मल्होत्रा के घर पहुंचे थे। वहीं, अपने एक पुराने मदर्स डे पोस्ट में मनीष ने अपनी मां को अपनी ताकत, प्रेरणा और साथी बताया था। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी मां ने बचपन में कपड़ों और सिनेमा के प्रति उनके शौक को बढ़ावा दिया था।

फिल्म हर भारतीय को गर्व महसूस कराएगी, रणवीर सिंह-आर माधवन की परफॉर्मेंस को सराहा

अल्लू अर्जुन ने 'धुरंधर 2' की तारीफ की

मुंबई, एजेंसी

साउथ एक्टर अल्लू अर्जुन ने फिल्म धुरंधर 2 देखने के बाद इसकी तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह हर भारतीय को गर्व महसूस कराएगी। उन्होंने रणवीर सिंह और आर माधवन समेत फिल्म की पूरी स्टार कास्ट की परफॉर्मेंस की भी सराहना की। अल्लू अर्जुन ने ट्वीट करते हुए फिल्म को लेकर लिखा, 'अभी-अभी धुरंधर 2 देखी-देशभक्ति के साथ जबरदस्त स्वैग है। यह एक ऐसी फिल्म है जो हर देशभक्त को गर्व महसूस कराएगी। कई ऐसे पल हैं, जहां आप तालियां बजाने से खुद को रोक नहीं पाएंगे। पूरी तरह धमाका! पूरी टीम को बधाई।' उन्होंने आगे लिखा, 'आर माधवन और सभी कलाकारों का शानदार प्रदर्शन है। टेक्निकल लेवल पर भी फिल्म कमाल की है। मुझे गर्व है कि हमारे देश में मेरे भाई रणवीर सिंह जैसे बेहतरीन और बहुमुखी अभिनेता हैं। रणवीर सिंह फायर हैं। आदित्य धर ने कमाल कर दिया, वे पूरी तरह छा गए।

हमारे देश में उनके जैसे शानदार फिल्ममेकर्स होना गर्व की बात है। एक भारतीय कहानी... इंटरनेशनल स्वैग के साथ! जय हिंद।' प्रोड्यूसर कमल जैन ने भी फिल्म की जमकर तारीफ की। उनका कहना है कि यह फिल्म सिर्फ एंटरटेन नहीं करती, बल्कि दर्शकों को पूरी तरह इंगेज करती है और तयशुदा पैटर्न को तोड़ती है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी कोई फिल्म शोर से अलग निकलकर गहरा सांस्कृतिक असर छोड़ती है। 'दीवार', 'भाग मिल्खा भाग', 'विक्की डोनर', 'एमएस धोनी' और 'संजू' जैसी फिल्मों ने ऐसा ही प्रभाव डाला था। धुरंधर भी उसी लीग की फिल्म है, लेकिन आज के डिजिटल दौर में इसका इम्पैक्ट और ज्यादा बड़ा हो गया है। क्रिएटर्स पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि फिल्म की सबसे बड़ी ताकत मेकर्स की क्लैरिटी और कन्विक्शन है। आदित्य की शार्प राइटिंग, डायरेक्शन, म्यूजिक और कलाकारों की दमदार परफॉर्मेंस कहानी को गहराई देती है।

आर माधवन ने आभार जताया

वहीं, अल्लू अर्जुन को धन्यवाद देते हुए आर माधवन ने ट्वीट के रिप्लाई में लिखा, 'मैं बेहद विनम्र, भावुक और बहुत ज्यादा प्रेरित महसूस कर रहा हूं। आपकी तरफ से ये सुनना मेरे लिए बहुत मायने रखता है, मेरे प्यारे भाई।' आगे उन्होंने लिखा, 'मैंने आपकी सभी फिल्में आपकी काबिलियत के प्रति गहरे सम्मान और हैरानी के साथ देखी हैं और यह जानकर बहुत शानदार महसूस हो रहा है कि यह भावना दोनों तरफ से है। भगवान आपका भला करे। मेरे करियर और जिंदगी के इस अहम मोड़ पर यह पहला ऑनलाइन रिव्यू मेरे लिए बेहद खास है।'

66 बता दें कि धुरंधर 2 में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और आर माधवन हैं। फिल्म को आदित्य धर ने लिखा, डायरेक्ट और प्रोड्यूस किया है। इसके साथ ही ज्योति देशपांडे और लोकेश धर भी फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। फिल्म को जियो स्टूडियोज ने प्रेजेंट किया है और यह बी62 स्टूडियोज के बैनर तले बनी है।

हमले का वीडियो जारी किया, नेतन्याहू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- अभी मैं जिंदा हूं

अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट को नुकसान पहुंचाया : ईरान

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

जंग के बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने कहा है कि उसने अमेरिकी F-35 फाइटर जेट पर हमला कर उसे नुकसान पहुंचाया। IRGC ने इस हमले का वीडियो भी जारी किया है, जिसमें जेट को निशाना बनाते हुए दिखाया गया है। हालांकि इस वीडियो की पुष्टि नहीं हो पाई है। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने स्वीकार किया कि एक F-35 जेट को ईरान के ऊपर मिशन के दौरान इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान को मिडिल-ईस्ट के किसी देश में उतारा गया है। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स के मुताबिक, विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है और पायलट सुरक्षित है। घटना की जांच जारी है।

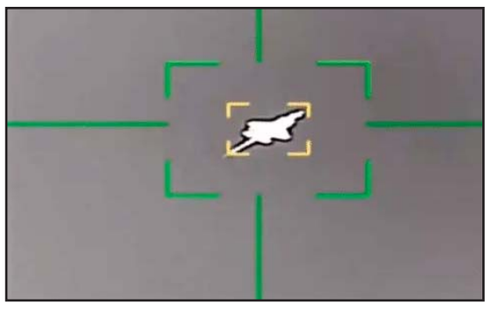

रिपोर्ट्स के अनुसार, शहर के कई हिस्सों में धमाकों की आवाजें गूंजीं। बताया जा रहा है कि ये कार्रवाई आने वाले ड्रोन हमलों को रोकने के लिए की गई।

ऑस्ट्रेलिया गैस एक्सपोर्ट पर टैक्स लगाएगा

ऑस्ट्रेलिया की सरकार गैस निर्यात पर टैक्स लगाने पर विचार कर रही है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय कीमतें बढ़ने से देश में ईंधन महंगा हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के कार्यालय का कहना है कि ऊर्जा कंपनियों को ऊंची वैश्विक कीमतों का फायदा उठाकर घरेलू उपभोक्ताओं को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहिए।

तेहरान में जोरदार धमाके, एयर डिफेंस ने ड्रोन मार गिराया

तेहरान में जोरदार धमाकों की आवाजें सुनी गईं, जब एयर डिफेंस सिस्टम ने अमेरिका और इजराइल के ड्रोन को निशाना बनाकर उन्हें रोकने की कोशिश की। ऑस्ट्रेलियाई ग्रीन्स पार्टी की नेता लरिसा वॉटर्स ने भी सरकार को पत्र लिखकर कहा है कि वे गैस निर्यात पर कम से कम 25% टैक्स लगाने वाले कानून का समर्थन करेंगे। ऑस्ट्रेलिया दुनिया के सबसे बड़े LNG (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) निर्यातकों में से एक है, लेकिन वहां अन्य देशों की तुलना में बड़ी ऊर्जा कंपनियों पर कम टैक्स लगाया जाता है।

उत्तरी इजराइल में वॉर्निंग सायरन बजे, ईरानी हमलों का अलर्ट

स्थानीय मीडिया के अनुसार, ईरान की ओर से किए गए मिसाइल हमलों के कारण उत्तरी इज़राइल में एयर रेड सायरन बजने लगे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजराइली सेना ने फिर से ईरान से आने वाली मिसाइलों का पता लगाया है, जिसके बाद कई इलाकों में लोगों को सतर्क किया गया। जानकारी के अनुसार, ऐसे हमलों के दौरान सायरन बजाकर लोगों को तुरंत सुरक्षित जगहों (शेल्टर) में जाने की चेतावनी दी गई है। टीम की कप्तान जहरा घनबरी सहित सभी खिलाड़ी सुरक्षित लौट आईं, लेकिन इस पूरे मामले को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता जताई गई थी। तेहरान के वालियास्र स्क्वायर में स्वागत समारोह हुआ, जहां हजारों लोग ईरानी झंडे लेकर पहुंचे। बड़े-बड़े पोस्टरों पर माय चॉइस, माय होमलैंड जैसे नारे लिखे थे। ईरान फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि ये खिलाड़ी अपने देश, झंडे और नेतृत्व के प्रति वफादार हैं।

युद्ध की जिद में श्रीलंका नहीं देगा अमेरिका का साथ

कहा- विमानों को लैंडिंग की अनुमति नहीं

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने संसद में एक बड़ी जानकारी साझा की है। उन्होंने बताया कि श्रीलंका ने मार्च की शुरुआत में अपने मत्तला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दो अमेरिकी लड़ाकू विमानों को उतरने की अनुमति नहीं दी। राष्ट्रपति के अनुसार, जिबूती स्थित बेस से दो अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने चार और आठ मार्च को श्रीलंका आने की अनुमति मांगी थी। इन विमानों पर आठ एंटी-शिप मिसाइलें तैनात थीं। श्रीलंका सरकार ने इन दोनों ही अनुरोधों को ठुकरा दिया। दिसानायके ने कहा कि कई तरह के दबावों के बावजूद श्रीलंका अपनी तटस्थता बनाए रखना चाहता है। उन्होंने साफ किया कि वे किसी के आगे नहीं झुकेंगे। पश्चिम एशिया के युद्ध से चुनौतियां पैदा हो रही हैं, लेकिन श्रीलंका तटस्थ रहने के लिए हर संभव कोशिश करेगा। यह बयान

अमेरिकी विशेष दूत सर्जियो गोर के साथ राष्ट्रपति की मुलाकात के एक दिन बाद आया है। उस बैठक में समुद्री रास्तों की सुरक्षा, व्यापारिक संबंधों और एक स्वतंत्र हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर चर्चा हुई थी। इस घटनाक्रम का संबंध कुछ अन्य समुद्री घटनाओं से भी है। चार मार्च को अमेरिका ने गाले के पास ईरानी जहाज 'आइरिस डेना' पर हमला किया था। इस हमले में 84 नाविक मारे गए और 32 को बचा लिया गया। यह जहाज भारत के विशाखापत्तनम में एक नौसैनिक अभ्यास से वापस लौट रहा था।

रुपया 93.24 के रिकॉर्ड लो पर पहुंचा

मुंबई। भारतीय रुपया आज यानी 20 मार्च को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इतिहास के सबसे निचले स्तर 93.24 पर पहुंच गया। तेल के बढ़ते इम्पोर्ट बिल और विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से लगातार पैसा निकालने के कारण रुपए में यह गिरावट आई है। इसके अलावा, देश की महंगाई दर, ब्याज दरें और विदेशी निवेशकों का भरोसा भी करेंसी की वैल्यू तय करते हैं। अगर भारत में ब्याज दरें अच्छी हैं।

कार्यवाई : एसबीआई से ₹2,929 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला, पहले दिन 8 घंटे तक सवाल-जवाब हुए थे

अनिल अंबानी दूसरे-दिन की पूछताछ के लिए सीबीआई-हेडक्वार्टर पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी

रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड यानी RCOM से जुड़े 2,929 करोड़ रुपए की बैंक मामले में अनिल अंबानी शुक्रवार (20 मार्च) को दूसरे दिन की पूछताछ के लिए दिल्ली स्थित CBI मुख्यालय पहुंचे हैं। इससे पहले गुरुवार को भी जांच अधिकारी ने उनसे करीब 8 घंटे तक पूछताछ की थी। यह पूरी कार्रवाई SBI की शिकायत पर दर्ज की गई FIR के आधार पर की जा रही है। CBI ने यह आपराधिक मामला रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड, अनिल अंबानी और कुछ अज्ञात लोक सेवकों के खिलाफ दर्ज किया है। इस मामले की शुरुआत 18 अगस्त 2025 को SBI की एक शिकायत से हुई थी। SBI बैंकों के उस समूह यानी कंसोर्टियम का नेतृत्व कर रहा है, जिसने कंपनी को कर्ज

दिया था। इस समूह में बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक, केनरा बैंक और आईडीबीआई जैसे बड़े नाम शामिल हैं। जांच एजेंसी के मुताबिक, इस मामले का आधार एक फॉरेंसिक ऑडिट रिपोर्ट है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि साल 2013 से 2017 के बीच लोन राशि का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया गया। ऑडिट में सामने आया कि लोन के पैसों को ग्रुप की ही दूसरी संस्थाओं में घुमाया गया। इस हेरफेर की वजह से अकेले SBI को 2,929.05 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। वहीं SBI समेत 17 पब्लिक सेक्टर बैंकों का कुल एक्सपोजर 19,694.33 करोड़ रुपए है। CBI ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए अगस्त 2025 में ही एक्शन शुरू कर दिया था। विशेष न्यायाधीश (CBI) से वारंट लेकर मुंबई में रिलायंस कम्युनिकेशंस के दो दफ्तरों और अनिल अंबानी के आवासीय परिसर की तलाशी ली गई थी। जांच एजेंसी का दावा है कि उस दौरान कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए थे, जिनके आधार पर अब पूछताछ का दौर चल रहा है। रिलायंस कम्युनिकेशंस कभी टेलीकॉम सेक्टर की दिग्गज कंपनी थी, लेकिन भारी कर्ज और बिजनेस में घाटे के चलते यह दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गई।

पीएनबी और बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी अलग शिकायतें दर्ज कराई

अनिल अंबानी की मुश्किलें केवल एक केस तक सीमित नहीं हैं। CBI को SBI के बाद पंजाब नेशनल बैंक (PNB), बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई और बैंक ऑफ महाराष्ट्र जैसे बैंकों से भी अलग-अलग शिकायतें मिली हैं।

- **बैंक ऑफ बड़ौदा केस:** 25 फरवरी को एक और केस दर्ज किया गया, जिसमें ई-देना बैंक और ई-विजया बैंक का बकाया शामिल है।
- **PNB केस:** 5 मार्च को दर्ज एक अन्य मामले में अनिल अंबानी के साथ निदेशक मंजरी अशोक काकर का भी नाम है। इसमें ई-यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया का पैसा फंसा हुआ है।

बैंकों का आरोप है कि कंपनी ने कर्ज चुकाने के बजाय फंड्स को गलत तरीके से मैनेज किया। फिलहाल CBI यह जानने की कोशिश कर रही है कि क्या इस पूरी प्रक्रिया में बैंक अधिकारियों की भी मिलीभगत थी।

इंश्योरेंस विज्ञापन में कम दाम, पेमेंट के वक्त वसूली ज्यादा

नई दिल्ली। डिजिटल दौर में इंश्योरेंस खरीदना आसान तो हुआ है, लेकिन डार्क पैटर्न्स का इस्तेमाल भी तेजी से बढ़ा है। लोकलसर्किल के ताजा सर्वे के मुताबिक, 10 में से 8 यूजर्स 'सब्सक्रिप्शन ट्रैप' जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। यानी पॉलिसी लेना आसान है, लेकिन उसे कैंसिल करना बहुत मुश्किल। सर्वे के मुताबिक पिछले 24 महीनों में ऐसे मामले 61% से बढ़कर 80% हो गए हैं। सर्वे में शामिल 85% यूजर्स ने बताया कि इंश्योरेंस कोटेशन लेते समय उनसे गैर-जरूरी जानकारी मांगी जाती है। बाद में इन डिटेल्स का इस्तेमाल अनचाही मार्केटिंग कॉल्स और मैसेज भेजने के लिए होता है। पिछले 2 साल में ऐसे मामले 57% से बढ़कर 85% हो गए हैं। करीब 90% यूजर्स ने बताया कि अगर वे सिर्फ कोटेशन लेते हैं या पॉलिसी कैंसिल करने की कोशिश करते हैं, तो उन्हें बार-बार कॉल और मैसेज करके परेशान किया जाता है। इसे 'नैगिंग' कहा जाता है। पिछले 24 महीनों में यह 86% से बढ़कर 90% पर पहुंच गया है।

सेंसेक्स 600 अंक चढ़कर 74,800 पर कारोबार कर रहा

निफ्टी भी 220 अंक चढ़ा, क्रूड ऑयल सस्ता होकर 107 डॉलर पर आया

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 20 मार्च को तेजी है। सेंसेक्स 600 अंक (0.79%) चढ़कर 74,800 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 220 अंक (0.95%) की तेजी है, यह 23,220 पर पहुंच गया है। बैंकिंग-ऑटो शेयर्स में आज सबसे ज्यादा खरीदारी है। पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच तेल की कीमतों में आई कमी से ग्लोबल मार्केट को राहत मिली है। ब्रेंट क्रूड अब 107 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। भारतीय शेयर बाजार में जून 2024 के बाद की सबसे बड़ी गिरावट देखने के एक दिन बाद 'वैल्यू बाइंग' यानी निचले स्तरों पर खरीदारी देखी जा रही है। खाड़ी देशों में जारी ईरान की जंग से आज शुक्रवार को बाजार खुलते ही रुपया डॉलर के मुकाबले अब तक के सबसे निचले

स्तर पर पहुंच गया। रुपया डॉलर के मुकाबले 93.24 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। इससे पहले पिछले कारोबारी सत्र में यह 92.63 पर बंद हुआ था। 19 मार्च को छुट्टी होने के कारण करेंसी मार्केट बंद था। शेयर बाजार में कल 19 मार्च को 22 महीने की सबसे बड़ी गिरावट रही थी। सेंसेक्स 2497 अंक (3.26%) गिरकर 74,207 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 776 अंक (3.26%) की गिरावट रही, यह 23,002 पर आ गया। इससे पहले 4 जून 2024 को सेंसेक्स 5.74% गिरा था। अमेरिका और इजराइल की ईरान के साथ जारी जंग के बीच आज कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट है। हालांकि अभी भी ये 100 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार कर रहा है। ब्रेंट क्रूड आज 2% गिरकर 107 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है।

मां-बेटे की मौत, पिता की हालत गंभीर, घर के बाहर 5 पेज का नोटिस लगा
परिवार के 3 लोगों ने खाया जहर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में जहरीला पदार्थ खाने से मां-बेटे की मौत हो गई। पिता को नाजुक हालत में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार तड़के छोटा बेटा उठा तो पिता को उल्टियां करते देख उसे जानकारी हुई। अंदर गया तो मां और बड़े भाई की लाश पड़ी हुई थी। चिल्लाकर चाचा को बुलाया। फिर पिता को तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना बंथरा क्षेत्र के नींवा गांव की है। युवक की जेब से पुलिस ने एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है। इसमें लिखा है- अपनी मौत के जिम्मेदार केवल हम हैं। मृतकों की पहचान तारावती (52) और बेटे संदीप (30) के रूप में हुई। जबकि पिता रूपनारायण (55) अस्पताल में भर्ती हैं। परिवार चाय-नाश्ते की दुकान और पान की गुमटी चलाकर जीविकोपार्जन करता था। तीनों ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह सामने नहीं आ सकी है। पुलिस जांच में घर के

घर के बाहर फटा नोटिस चर्चा का विषय

रूपनारायण के घर के बाहर 5 पेज का एक नोटिस लगाया हुआ है। उसके सारे पेज फाड़े गए हैं, जिससे पढ़ने में यह नहीं समझ में आ रहा है कि यह किस मामले का नोटिस है। यह नोटिस लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। इस नोटिस पर एक कॉर्नर पर सिक्योरिटी ऑफिसर लिखा है और मुंबई में कहीं का एड्रेस है।

बाहर पांच पेज की नोटिस चिपकाए जाने की बात सामने आई है लेकिन फट जाने के कारण इसके बारे में डिटेल सामने नहीं आ सकी।

गांव के बाहर चाय-नाश्ता की दुकान चलाते थे

नींवा गांव के रूपनारायण गांव के बाहर चाय-समोसा की दुकान चलाते हैं। पत्नी तारा, बेटा संदीप और कुलदीप उनका दुकान में हाथ बंटाते थे। नाश्ते की दुकान के बगल में एक गुमटी भी थी जिसमें वे पान आदि बेचते थे। कुलदीप ने बताया- गुरुवार को वह घर पहले ही आ गया था। पिता-मां और बड़े भाई दुकान पर ही थे। घर आकर उसने रात का खाना बनाया। जब वे लोग घर पहुंचे तो खाने के लिए पूछा तो पापा बोले कि हम होटल से खाकर आए हैं। रोज की तरह सब सोने चले गए।

66 छोटे भाई कुलदीप ने बताया- गुरुवार को वह घर पर ही था। रात के खाने में तहरी बनाया। दुकान बढ़ाकर माता-पिता और भाई आए, खाने के लिए पूछा तो तीनों ने बाहर ही खाकर आने की बात कही। उसने किसी प्रकार की नोटिस या कर्ज की जानकारी होने से इनकार किया है।

जहर खाने की वजह सामने नहीं आई

रूपनारायण ने पत्नी और बड़े बेटे के साथ जहर क्यों खाया? इसकी वजह अभी तक सामने नहीं आ सकी है। परिवार का अपना छोटा व्यवसाय था। दो बेटियों रूचि और ज्योति की शादी पहले ही कर चुके थे उनके भाई जगत बताते हैं कि भैया-भाभी का किसी भी तरह के लोन की जानकारी हमको नहीं है। दो लोग हमेशा इनके घर आते थे, यह बात पता है।

चाचा ने प्रधान के माध्यम से पुलिस को सूचना दी

रूपनारायण के छोटे भाई जगत चौरसिया ने बताया कि कुलदीप ने उनको बताया। मैं पहुंचा तो भाई रूपनारायण उल्टियां कर रहे थे। मैंने प्रधान को फोन किया और पुलिस को उनके माध्यम से जानकारी दी। छोटे भाई के अनुसार, तीनों ने रात में खाना नहीं खाया था।

यही घर है जिसमें 3 लोगों ने जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड कर लिया।

घर के बाहर गांव वालों की भीड़ लगी हुई है।

धर्मेंद्र सिंह अध्यक्ष सुजीत कुमार आर्य महामंत्री निर्वाचित

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सचिवालय सत्कार सेवा कर्मचारी संघ का द्विवार्षिक आम चुनाव 2026 महासंघ कार्यालय जवाहर भवन लखनऊ में हुआ संपन्न।

सुशील कुमार बच्चा चुनाव अधिकारी डी के मिश्रा सहायक चुनाव अधिकारी देख रेख में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई अध्यक्ष एवं महामंत्री पद पर चुनाव हुआ और साथ ही सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए चुनाव अधिकारी सुशील कुमार बच्चा ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह महामंत्री सुजीत कुमार आर्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय कमल दास उपाध्यक्ष हरेंद्र सिंह कण्डारी कोषाध्यक्ष विमल कुमार वर्मा संयुक्त मंत्री सलमान खान व सुरेश कुमार संगठन मंत्री अरुण कुमार निगम व पान सिंह बिष्ट प्रचार मंत्री राम संजीवन व मोहम्मद आशिक व कार्यकारिणी सदस्यों में सुधीर गुप्ता विम्मी बाजपेई सिद्दीकी अकबर उदय सिंह रावत व मदन सिंह बिष्ट हुए निर्वाचित। चुनाव कार्यक्रम में मुख्य रूप से जवाहर भवन इंदिरा भवन कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष सतीश कुमार पांडे उपाध्यक्ष आकिल सईद बब्लू ने अभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

फास्ट न्यूज

भाजपा एमएलसी विशाल सिंह 'चंचल' का 42वां जन्मदिन

गाजीपुर। गाजीपुर में भाजपा एमएलसी विशाल सिंह 'चंचल' का 42वां जन्मदिन समर्थकों द्वारा उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने केक काटकर उन्हें शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ व दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर मोबाइल फोन के माध्यम से भी एमएलसी को जन्मदिन की बधाई दी।

पत्नी की अश्लील फोटो वायरल की

लखनऊ। लखनऊ के सआदतगंज क्षेत्र की रहने वाली 32 वर्षीय महिला ने अपने कथित पति पर शादी के नाम पर धोखा देने, दहेज मांगने और अश्लील फोटो-वीडियो वायरल कर ब्लैकमेल करने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पीड़िता के अनुसार, उसकी मुलाकात 19 अप्रैल 2025 को एक मैट्रिमोनियल ऐप के जरिए कानपुर निवासी सौरभ श्रीवास्तव से हुई थी। बातचीत के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं। सौरभ ने खुद को एक फैक्ट्री में अधिकारी बताते हुए जल्द कोर्ट मैरिज का दबाव बनाया। इसके बाद 16 अप्रैल 2025 को अलीगंज स्थित आर्य समाज मंदिर में दोनों ने शादी कर ली और 19 अप्रैल को रजिस्ट्रार ऑफिस में विवाह पंजीकरण भी करा लिया। शादी के बाद आरोपी पीड़िता को अपने घर कानपुर ले गया।

हाथों में कड़ा-कलावा देख लाठी-डंडों से पीटा

कानपुर। यह दिल्ली का उत्तम नगर नहीं है और तुम हिंदू हो... हाथ में कलावा और कड़ा देख कर यह बाते कहते हुए कार सवार विशेष समुदाय दबंगो ने स्कूटी सवार दोस्तों की लाठी-डंडे से बेरहमी से पिटाई कर दी, जिसमें युवक की आंख में गंभीर रूप से चोट लग गई। इसके बाद दंबगों ने ईंट-पत्थर चलाए। शोर-शराबा सुन राहगीरों के आने पर आरोपी धमकी देकर भाग निकले।

संत ने राधे-राधे कहा, परिवार के साथ मुर्मू वृंदावन पहुंचीं, 25 मिनट चर्चा की
राष्ट्रपति संत प्रेमानंद से मिलीं, हाथ जोड़कर प्रणाम किया

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मथुरा में संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। उन्होंने 25 मिनट तक आध्यात्मिक चर्चा की। राष्ट्रपति शुक्रवार सुबह 7 बजे बारिश के बीच परिवार के साथ प्रेमानंदजी के वृंदावन आश्रम पहुंचीं। उन्होंने हाथ जोड़कर संत को प्रणाम किया। संत प्रेमानंद ने राधे-राधे कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। आश्रम में राष्ट्रपति का संतों ने माला-चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया। राष्ट्रपति ने प्रेमानंदजी को जन्मदिन की भी बधाई दी। गुरुवार यानी 19 मार्च को उनका 56वां जन्मदिन था। दरअसल, राष्ट्रपति मुर्मू, यूपी के 3 दिन के दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए थे।

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संत प्रेमानंद महाराज के साथ 25 मिनट तक आध्यात्मिक चर्चा की।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रामकृष्ण मिशन हॉस्पिटल में अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल का उद्घाटन किया।
- राष्ट्रपति के साथ उनकी बेटी इतिश्री मुर्मू, दामाद गणेश हेम्ब्रम और दोनों नातिनें आद्याश्री और नित्याश्री भी थीं।

राष्ट्रपति ने अयोध्या राम मंदिर में रामयंत्र की स्थापना की थी

यूपी पहुंचीं राष्ट्रपति ने अपने दौरे के पहले दिन गुरुवार को अयोध्या पहुंचकर रामलला के दर्शन किए। मंदिर में रामदरबार में राम यंत्र की स्थापना की। उन्होंने राम मंदिर परिसर का भी भ्रमण किया। योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपति को मंदिर निर्माण से जुड़े कार्यों की जानकारी दी थी। इस दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा था- अयोध्या में प्रभु श्रीराम ने जन्म लिया था। इस पवित्र भूमि पर कदम रखना ही मेरे लिए सौभाग्य की बात है। गुरुवार शाम को वह अयोध्या से मथुरा पहुंचीं।

आध्यात्मिक चर्चा के दौरान भाव-विभोर नजर आईं

बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति संत प्रेमानंद महाराज के साथ आध्यात्मिक चर्चा के दौरान भाव-विभोर दिखीं। इस दौरान कुटिया में सिर्फ राष्ट्रपति, परिजन और संत के करीबी शिष्य ही मौजूद रहे।

प्रेमानंद महाराज के दरबार में पूरे परिवार के साथ पहुंची थीं राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ उनकी बेटी इतिश्री मुर्मू, दामाद गणेश हेम्ब्रम और दोनों नातिनें आद्याश्री और नित्याश्री मौजूद थीं। केलीकुंज आश्रम में राष्ट्रपति और उनके परिवार के लिए कुर्सियां लगाई गई थीं।

सपा की महिला कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर की अर्थी निकाली
छाती पीट-पीटकर रोईं, बोलीं- मर गया, कैसे घर चलाएं

- सपा मुख्यालय के बाहर महिलाओं ने सिलेंडर पर सफेद चादर ओढ़ाकर अर्थी निकाली।
- महिलाओं ने हाथों में बैनर पोस्टर लेकर मौजूदा सरकार का विरोध जताया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अब हम अपने बच्चों को कैसे पालेंगे? हमको छोड़ कर चले गए अब हम कैसे रहेंगे? अब हम क्या करेंगे? सिलेंडर के मरने के बाद हम कैसे जीएंगे? कुछ इस अंदाज में समाजवादी पार्टी की महिला सभा की कार्यकर्ताओं ने सिलेंडर की अर्थी निकालकर प्रदर्शन किया। मौजूदा सरकार का विरोध जताया और कहा कि जबसे बीजेपी सरकार आई है तबसे हर चीज के लिए लाइन में लगना पड़ रहा है। लखनऊ के कैसरबाग में सपा के मुख्यालय पर शुक्रवार को महिलाओं ने गैस सिलेंडर की किल्लत और महंगाई को लेकर अनोखा प्रदर्शन किया। इस दौरान सिलेंडर पर कफन (सफेद चादर) ओढ़ाकर रोईं और मौजूदा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। गैस सिलेंडर की अर्थी रखकर महिलाएं छाती पीट पीट कर रोने लगी। रोती हुई महिलाएं बोली हाय मेरा सिलेंडर मर गया अब यह किसी काम का नहीं रहा। प्रदर्शनकारी महिलाएं हाथ में पोस्टर लेकर आईं जिसपर लिखा था 'महंगी गैस महंगा तेल मोदी योगी दोनों फेल'। सपा कार्यालय से निकलती हुई महिलाओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारा लगाया 'मोदी तेरे सरकार में कटोरा हाथ में'। प्रदर्शनकारी महिला पूजा यादव ने कहा कि महंगाई से पूरी जनता परेशान है। पहले आधार कार्ड, फिर नोटबंदी और अब गैस सिलेंडर जैसे मुद्दों से आम लोगों को लगातार परेशान किया जा रहा है।

अमोनिया संकट सुलझने पर शीतगृह संचालकों का आभार
मंत्री को भेंट की मां भगवती की प्रतिमा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के शीतगृह संचालक संघ ने अमोनिया गैस संकट के त्वरित समाधान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस उपलक्ष्य में शीतगृह संचालक संघ के प्रतिनिधियों ने प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह के आवास पर पहुंचकर नवरात्रि के पावन अवसर पर उन्हें मां भगवती की प्रतिमा भेंट की। संचालकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केन्द्रीय मंत्री श्री जेपी नड्डा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए यह भेंट उद्यान मंत्री को सौंपी और केंद्र सरकार की किसान हितैषी नीतियों की सराहना की। इस अवसर पर शीतगृह संचालक संघ के पदाधिकारियों ने प्रार्थना की कि नवरात्रि के पावन पर्व पर मां

भगवती प्रधानमंत्री जी को और अधिक शक्ति प्रदान करें, जिससे वे राष्ट्र और किसान हित में निरंतर कार्य कर सकें। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के प्रभावी हस्तक्षेप ने प्रदेश के करोड़ों किसानों की आजीविका को एक बड़े संकट से उबार लिया है, जो श्रेष्ठ भारत के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। संघ के प्रतिनिधियों ने बताया कि विगत दिनों अमोनिया गैस की आपूर्ति बाधित होने से शीतगृहों की कूलिंग पर संकट मंडरा रहा था। आलू जैसी शीघ्र खराब होने वाली फसल के लिए निर्बाध गैस आपूर्ति अनिवार्य है, अन्यथा नुकसान सुनिश्चित था। केंद्र सरकार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मात्र 2 दिन के भीतर उर्वरक कंपनियों को निर्देश जारी कर आपूर्ति सुचारू करा दी। उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि अमोनिया गैस की निर्बाध आपूर्ति बहाल होना प्रधानमंत्री की किसानों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सरकार अंतिम पायदान पर खड़े किसानों और शीतगृह संचालकों की समस्याओं के समाधान हेतु सदैव तत्पर है। शीतगृह संचालक संघ की उपाध्यक्ष तृप्ति सिंह सहित अन्य प्रतिनिधियों ने इस निर्णय से सरकार के प्रति किसानों का विश्वास सुदृढ़ होने की बात कही।

मौत: क्लास के बाहर 4 गोली मारी, इकलौते बेटे की लाश देख मां बेहोश, हंगामा, तोड़फोड़

काशी के यूपी कॉलेज में बीएससी छात्र की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के यूपी कॉलेज परिसर में दिनदहाड़े बीएससी छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावर ने क्लासरूम के बाहर छात्र को 4 गोलियां मारीं। पिस्टल कूड़े के ढेर में फेंककर फरार हो गया। आरोपी भी इसी कॉलेज का छात्र है। वारदात की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 10 बजे कला और सामाजिक विज्ञान संकाय के बाहर हुई। घायल छात्र सूर्य प्रताप सिंह (23) को बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वारदात के बाद गुस्साए छात्रों ने कॉलेज परिसर में हंगामा कर दिया। कैंपस के अंदर कुर्सियां तोड़ दीं। बाहर दुकानों में तोड़फोड़ कर दी। हालात बिगड़ते देख पुलिस ने कॉलेज के गेट बंद कर दिए। आसपास की 150 से अधिक दुकानों को बंद करा दिया।

फिलहाल परिसर में सात थानों की पुलिस फोर्स तैनात है। छात्र कॉलेज के बाहर धरने पर बैठ गए हैं।

इधर, ट्रॉमा सेंटर पहुंची मां इकलौते बेटे की लाश देखकर बेहोश हो गई। परिजनों और मौजूद लोगों ने उन्हें संभाला। साथी छात्र भी फूट-फूट कर रोते नजर आए। एक छात्र ने रोते हुए कहा- "हमके हमार भाई चाही।" पुलिस के मुताबिक, मृतक छात्र गाजीपुर का रहने वाला था। सेकेंड ईयर में पढ़ रहा था।

करीब 20 दिन पहले उसे चेचक निकल आई थी, जिसके चलते वह कॉलेज नहीं आ रहा था। ठीक होने के बाद वह आज ही कॉलेज पहुंचा था। वहीं, आरोपी मंजीत बीए सेकेंड ईयर का छात्र है। वाराणसी के चांदमारी इलाके का रहने वाला है।

पोस्टमार्टम हाउस के बाहर अभी 3 थानों की फोर्स तैनात

छात्र की हत्या के बाद शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है। पोस्टमार्टम हाउस के बाहर अभी 3 थानों की फोर्स लगी हुई है। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने बताया- यूपी कॉलेज में दो बच्चों के आपसी विवाद में गोली चली है। इसमें एक बच्चे को गोली लगी और उसे बीएचयू के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। जहां से सूचना मिली है कि बच्चे की मौत हो गई है। हमारी टीम ने सभी सेंसिटिव एविडेंश ले लिए हैं। सीसीटीवी फुटेज और डीवीआर को कब्जे में ले लिया गया है। थाने पर FIR दर्ज की जा रही है। अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए 6 टीमें काम कर रही हैं। अभी यहां के छात्रों से बातचीत में पता चला कि तात्कालिक विवाद में गोली चली है। वहीं, छात्रों ने प्रिंसिपल भी आरोप लगाए हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

ईरानी अफसर...

कि अब दुनिया में कहीं भी अमेरिका और इजराइल से जुड़े लोग सुरक्षित नहीं रहेंगे। ईरान के सैन्य प्रवक्ता जनरल अबोलफजल शेखारची ने सरकारी टीवी पर जारी बयान में कहा, "अब हमारे पास आपके बारे में जो जानकारी है, उसके आधार पर दुनिया के किसी भी हिस्से में पार्क, मनोरंजन स्थल और पर्यटन स्थल भी सुरक्षित नहीं रहेंगे।" यूरोप में इजराइल से जुड़ी एक बड़ी सैन्य फैक्ट्री पर हमला हुआ है। चेक गणराज्य में इजराइली हथियार कंपनी एल्बिट सिस्टम्स से जुड़ी एक यूनिट में आग लगा दी गई, जिससे कई इमारतें जलकर नष्ट हो गईं। मिडिल ईस्ट में अमेरिका अपनी सैन्य मौजूदगी तेजी से बढ़ा रहा है। CNN के मुताबिक सैटेलाइट इमेज से पता चला है कि 3 अमेरिकी वॉरशिप के साथ मरीन सैनिक मिडिल ईस्ट भेजे जा रहे हैं। इनमें USS त्रिपोली, USS सैन डिएगो, USS न्यू ऑरलियंस शामिल हैं। इन पर करीब 2200 सैनिक तैनात हैं। ये सभी सैनिक 31st मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट (MEU) का हिस्सा हैं, जिसे तुरंत एक्शन के लिए तैयार रखा जाता है। जंग के बीच ईरान ने इजराइल पर एक बार फिर बड़ा हमला किया है। इजराइली सेना के मुताबिक, ईरान ने दक्षिणी इजराइल की ओर मिसाइलों की नई खेप दागी है। सेना ने बताया कि एयर डिफेंस सिस्टम एक्टिव कर दिए गए हैं और मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने की कोशिश जारी है। इजराइली मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमले के बाद दक्षिणी इलाकों में सायरन बजने की चेतावनी जारी की गई है और लोगों को सुरक्षित स्थानों (शेल्टर) में जाने के लिए कहा गया है।

एअर इंडिया...

एअर इंडिया के मामले में कनाडा ने केवल बोइंग 777-300 ER विमान के संचालन की अनुमति दी है, जबकि गुरुवार को एयरलाइन ने जो विमान भेजा था, उसे मंजूरी नहीं थी। एअर इंडिया ने इस घटना को ऑपरेशनल इश्यू बताया और कहा कि सभी यात्री और क्रू सुरक्षित हैं। यात्रियों को होटल की सुविधा दी गई और उन्हें अगली सुबह यानी 20 मार्च को दूसरी फ्लाइट से वैंकूवर के लिए रवाना किया गया। बोइंग 777 जैसे बड़े विमान के लिए, 8 टन (8,000 किलोग्राम) जेट ईंधन की कीमत मौजूदा दरों के आधार पर लगभग 7 लाख से 9 लाख के बीच हो सकती है। ऐसे में 7 घंटे हवा में रहने के दौरान एअर इंडिया फ्लाइट में करीब 60 लाख रुपए का फ्यूल खर्च हुआ। यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच एअर इंडिया समेत कई एयरलाइंस अपनी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की संख्या बढ़ा रही हैं। बढ़ती मांग को देखते हुए एअर इंडिया ने 19 से 28 मार्च के बीच नॉर्थ अमेरिका और यूरोप के लिए अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने का ऐलान किया है। एयरलाइन के मुताबिक, दिल्ली-लंदन (हीथ्रो), मुंबई-लंदन (हीथ्रो), दिल्ली-फ्रैंकफर्ट, दिल्ली-ज्यूरिख और दिल्ली-टोरंटो रूट पर कुल 36 अतिरिक्त फ्लाइट्स चलाई जाएंगी, जिससे करीब 10,012 अतिरिक्त सीटें उपलब्ध होंगी। इससे पहले 10 से 18 मार्च के बीच भी एयरलाइन ने 9 रूट्स पर 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने की घोषणा की थी। इधर एअर इंडिया की न्यूयॉर्क से मुंबई आ रही फ्लाइट AI-116 को गुरुवार दोपहर सऊदी अरब के मदीना में डायवर्ट करना पड़ा। कॉकपिट में कार्गो सेक्शन में आग लगने का अलर्ट मिलने के बाद एहतियातन यह फैसला लिया गया। एयरलाइन के मुताबिक, बोइंग 777 विमान ने मदीना एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग की। हालांकि, लैंडिंग के बाद की जांच में यह अलर्ट गलत निकला और किसी तरह की आग नहीं पाई गई। जांच पूरी होने के बाद विमान को दोबारा ऑपरेशन के लिए क्लियर कर दिया गया। यह फ्लाइट मुंबई के लिए रवाना हो गई। एअर इंडिया ने कहा कि पूरी प्रक्रिया के दौरान यात्रियों और क्रू की सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई और किसी तरह की अप्रिय घटना नहीं हुई। भारत के नागरिक उड्डयन नियामक (DGCA) ने 13 फरवरी को बताया था कि उसने एअर इंडिया पर 1.10 लाख डॉलर (करीब 1 करोड़ रुपए) का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई एक एयरबस विमान को बिना 'एयरवर्थनेस रिव्यू सर्टिफिकेट' (विमानल उड़ाए जाने योग्य है या फिटनेस सर्टिफिकेट) के 8 बार उड़ाए जाने के कारण की गई।

यूपी टीईटी...

काफी जद्दोजहद के बाद यह परीक्षा 21 जनवरी 2022 को कराई गई थी। इसके बाद से अभी तक यह परीक्षा नहीं हो सकी थी। बड़ी संख्या में अभ्यर्थी इस परीक्षा के इंतजार में हैं। आयोग ने अभ्यर्थियों को सलाह दी है कि फॉर्म भरने से पहले वन टाइम रजिस्ट्रेशन करना जरूरी होगा। उसके बाद ही वे यूपीटेट के लिए आवेदन कर सकेंगे। विस्तृत विज्ञापन और दिशा-निर्देश आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं, जिन्हें ध्यानपूर्वक पढ़ने के बाद ही आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। आयोग ने अभ्यर्थियों से एक और खास अपील की है कि वे समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी करें। आखिरी तारीख का इंतजार न करें, ताकि किसी तकनीकी समस्या से बचा जा सके। साथ ही, आवेदन से पहले पात्रता और अन्य आवश्यक शर्तों की पूरी जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें। यूपी टीईटी परीक्षा को लेकर आयोग ने स्पष्ट किया कि अभ्यर्थियों के अंक आधिकारिक वेबसाइट पर जारी किए जाएंगे। आयोग ने पासिंग क्राइटेरिया भी तय कर दिया है।

आगरा में पिता, बेटा-बहू और पोती समेत 5 की मौत
पेड़ से टकराई बोलेरो, नवरात्रि के पहले दिन कैलादेवी से लौट रहे थे

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो पेड़ से टकरा गई। हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में पिता, बेटा, बहू, पोती और नाती शामिल हैं। तीन लोग घायल हैं। हादसे के बाद गांव वालों ने गाड़ी के शीशे तोड़कर सभी को बाहर निकाला। परिवार नवरात्रि के पहले दिन इटावा से राजस्थान के कैलादेवी मंदिर के दर्शन करने गए थे। लौटते समय गाड़ी चला रहे ड्राइवर को नींद आने लगी। तभी परिवार के 20 साल के नाती ने गाड़ी चलाने के लिए कहा। ड्राइवर ने उसे गाड़ी दे दी। इसके करीब 15 मिनट बाद गुरुवार रात 11 बजे थाना चित्राहाट क्षेत्र में हादसा हो गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो का आगे का हिस्सा बुरी तरह पिचक गया और आधी छत उखड़ गई। मृतकों की पहचान इटावा के इकदिल के गांव नगला वर के रहने वाले कांता प्रसाद (70), उनके बेटे देवेंद्र (35), बहू सीमा (30), पोती आराध्या (3) और गाड़ी चला रहे नाती औरैया थाना क्षेत्र के अजीतमल के गांव प्रतापपुर निवासी ऋषि (20) के रूप में हुई है। घायलों में देवेंद्र का बेटा आदित्य, ऋषभ की पत्नी रश्मि और अवनीश शामिल हैं। ऋषि के दादा गंगादीन ने बताया कि नवरात्र में देवेंद्र के पिता कांता प्रसाद ने कैलादेवी मंदिर के दर्शन की इच्छा जताई थी, तभी मंदिर जाने का प्लान बना। 18 मार्च को दो गाड़ियों से परिवार और रिश्तेदारी के 18 लोग कैलादेवी मंदिर के दर्शन करने गए थे।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676